दैनिक पंचांग
सूर्योदयः 05:27 ए एम
सूर्यास्तः 07:09 पी एम
तिथिः चतुर्थी - 12:57 ए एम, मई 24 तक
नक्षत्रः आर्द्रा - 12:39 पी एम तक
योगः शूल - 04:47 पी एम तक
करणः वणिज - 12:04 पी एम तक
द्वितीय करणः विष्टि - 12:57 ए एम, मई 24 तक
पक्षः शुक्ल पक्ष
वारः मंगलवार

हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

Digital Edition

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 03 • अंक 157 • पृष्ठ 8 • दुमका, मंगलवार 06 जून 2023 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

बहुचर्चित अवधेश राय हत्याकांड में 32 साल बाद मिली सजा

मुख्तार अंसारी को उम्रकैद की सजा

वाराणसी/एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल में बहुचर्चित अवधेश राय हत्याकांड में 32 साल के इंतजार के बाद सोमवार को वो घड़ी आ गई, जिसका सभी को बेसब्री से इंतजार था. सोमवार को वाराणसी की एमपी-एमएलए कोर्ट में माफिया मुख्तार अंसारी दोषी करार देने के बाद सजा का ऐलान कर दिया. सोमवार 12 बजे के करीब पहले तो कोर्ट ने माफिया अंसारी को दोषी कर दिया और फिर दोपहर 2 बजे जज अवनीश ने दोषी अंसारी को उम्रैकद की सजा सुनाई गई है. अंसारी पर एक लाख रुपये जुर्माना भी लगाया गया है. शारीरिक तौर पर अंसार कोर्ट में मौजूद नहीं था और सुनवाई के दौरान वह वीडियो कॉन्फ्रेंसिग के जरिये जुड़ा था.

गौरतलब है कि 32 साल से यह मामला कोर्ट में पेंडिग था. पूर्वांचल में अवधेश राय हत्याकांड की सुबह-सुबह हत्या कर दी गई थी. हत्याकांड में मुख्तार अंसारी और पूर्व विधायक अब्दुल कलाम को नामजद किया गया था. बताते हैं कि 3 अगस्त 1991 को अजय राय के भाई अवधेश राय अपने घर के बाहर खड़े थे. इस दौरान बदमाशों ने उन्हें गोलियों से छलनी कर दिया था. घटना में उनके भाई अजय राय मुख्य गवाह थे,

जिन्हें कई बार जान मारने की मिली धमकी. लेकिन वह डरे नहीं और अब उन्हें न्यान मिला है.

● मुख्तार अंसारी कैसे बना क्राइम की दुनिया का माहिर खिलाड़ी

मुख्तार अंसारी गाजीपुर के मोहम्मदाबाद युसूफपुर के एक प्रतिष्ठित परिवार से ताल्लुक रखता है. मंडी परिषद की ठेकेदारी को 1988 में लोकल ठेकेदार सच्चिदानंद राय की हत्या के मामले में मुख्तार का नाम पहली बार सामने आया. इसी दौरान त्रिभुवन सिंह के कांस्टेबल भाई राजेंद्र सिंह की हत्या बनारस में कर दी गई. इसमें भी मुख्तार का ही नाम सामने आया. 1990 में गाजीपुर जिले के तमाम सरकारी ठेकों पर ब्रजेश सिंह गैंग ने कब्जा शुरू कर दिया. अपने वर्चस्व को बनाए रखने के लिए मुख्तार अंसारी के गिरोह से उनका सामना हुआ. 1991 में चंदौली में मुख्तार पुलिस की पकड़ में आया. उस पर रास्ते में दो पुलिस वालों को गोली मारकर फरार होने का आरोप है. 1991 में कांग्रेस नेता अजय राय की हत्या के भी आरोप लगा. जिसमे अंसारी समेत पांच लोगों पर मुकद्दमा दर्ज कराया गया. इसके बाद सरकारी ठेके, शराब के ठेके, कोयला के काले कारोबार को बाहर रहकर हैंडल करना शुरू किया. 1996 में एएसपी उदय शंकर पर जानलेवा हमले में मुख्तार का नाम एक बार फिर सुर्खियों में आया. साल 2008 में उसे उड़ीसा से गिरफ्तार किया गया था. 2008 में अंसारी को हत्या के एक मामले में एक गवाह धर्मेंद्र सिंह पर हमले का आरोपी बनाया गया था. 2012 में महाराष्ट्र सरकार ने मुख्तार पर मकोका लगा दिया था.

क्या है पूरा हत्याकांड

3 अगस्त की सुबह हल्की हल्की बारिश हो सही थी. कांग्रेस नेता अवधेश राय अपने भाई के साथ घर के बाहर खड़े थे और बातचीत कर रहे थे. अचानक एक वैन वहां आकर रुकी और इससे पहले कि अजय और अवधेश कुछ समझ पाते, उन पर गोलियां बरसनी शुरू हो गई. घटना में अवधेश की मौत हो गई थी और भाई अजय राय बाल-बाल बच गए थे. कांग्रेस के पूर्व विधायक अजय राय ने चेतगंज थाने में मुख्तार अंसारी, भीम सिंह, कमलेश सिंह, राकेश नाई और पूर्व एमएलए अब्दुल कलाम के खिलाफ केस दर्ज करवाया था. 5 आरोपियों में से आरोपी अब्दुल कलाम की मौत हो चुकी है.

संक्षिप्त समाचार

नौ साल से बन ही रहा पुल, दो साल में लागत की 10 फीसदी राशि गंगा में डूबी

पटना/एजेंसी। बिहार सरकार अब जांच कराए या यह दावा करे कि पुल गिरने की आशंका पहले ही थी; आमजन कोई तर्क स्वीकारने को तैयार नहीं है। मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी ने महागठबंधन सरकार के मुखिया नीतीश कुमार को पहली बार भ्रष्टाचार पर घेरना शुरू किया है तो आम जनता सुल्तानगंज-अगुवानी घाट पुल के ढहने की तस्वीर लगाकर सरकार को ट्रोल कर रही है। नौ साल से यह पुल एक कंपनी बना रही है और कुल लागत की 10% राशि दो साल के अंदर गंगा में समाती दिख चुकी है। गंगा नदी पर बन रहे सुल्तानगंज-अगुवानी घाट पुल को दूसरी बार लोगों ने ढहते देखा। करीब 3160 मीटर लंबे निर्माणाधीन पुल का लगभग 600 मीटर हिस्सा, यानी करीब 20% गंगा में समा चुका है। अप्रैल 2022 में करीब 200 मीटर और इस बार लगभग 400 मीटर नदी में समाया है। इस पुल के निर्माण का टेंडर एसपी सिंगला कंपनी के नाम खुला था। 2014 से पुल 'निर्माणाधीन' ही है। कुछ दिनों पहले ही आठवीं और कथित तौर पर अंतिम डेडलाइन मिली थी 31 दिसंबर 2023 की। इससे पहले इसी माह के अंत तक पुल का निर्माण कार्य पूरा करने की डेडलाइन थी। पटना आउटर रिंग रोड, सिमरिया के नए सेतु समेत इस कंपनी को बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कई ड्रीम प्रोजेक्ट मिले हुए हैं।

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स
61,981.79+18.11 (0.029%)

निफ्टी
18,348.00+33.60 (0.18%)

पहलवानों के आंदोलन पर कहा- हम पीछे नहीं हटे हैं

साक्षी, विनेश और बजरंग पूनिया नौकरी पर लौटे

नई दिल्ली/एजेंसी।

कुश्ती संघ के अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ लगातार प्रदर्शन कर रहे पहलवान बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक और विनेश फोगाट रेलवे में अपनी जॉब पर लौट गए हैं. हालांकि इस बीच साक्षी मलिक ने पहलवानों के आंदोलने से पीछे हटने की खबर से इनाकर कर दिया है. उन्होंने ट्वीट कर खबरों का खंडन किया है.

साक्षी मलिक ने ट्वीट कर कहा- इंसाफ मिलने तक जारी रहेगी हमारी लड़ाई

साक्षी मलिक ने ट्वीट किया, 'ये खबर बिलकुल गलत है. इंसाफ की लड़ाई में ना हम में से कोई पीछे हटा है, ना हटेगा. सत्याग्रह के साथ साथ रेलवे में अपनी जिम्मेदारी को साथ निभा रही हूं. इंसाफ मिलने तक हमारी लड़ाई जारी है. कृपया कोई गलत खबर ना चलाई जाए.' बता दें कि आंदोलन विनेश फोगाट, साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया के नेतृत्व में कई पहलवानों ने कुश्ती संघ के अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है.

ये पहलवान पहले 23 अप्रैल से जंतर मंतर पर 29 मई तक धरना दिया. इस दौरान पहलवानों ने बृजभूषण शरण सिंह पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे. इससे पूर्व जनवरी के महीने में पहलवानों ने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ धरना दिया था. हालांकि उस दौरान खेल मंत्रालय के दखलंदाजी के बाद पहलवान वापस लौट गए थे. बीते 21 अप्रैल को 7 महिला पहलवानों ने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ सीपी थाने में शिकायत दर्ज कराई थी.

इस शिकायतों के आधार पर दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ 28 अप्रैल को यौन उत्पीड़न का दो मामला दर्ज किया था. बता दें कि बीते शनिवार को पहलवानों का एक दल केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात करने पहुंचा था. हालांकि पहलवानों ने इस बात की जानकारी नहीं दी कि बैठक के दौरान क्या बातचीत हुई है. बीते 28 अप्रैल को दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ दो प्राथमिकी दर्ज की थी. द इंडियन एक्सप्रेस ने शुक्रवार को रिपोर्ट किया था, पेशेवर सहायता के बदले दो सेक्सुअल फेवर के भी मामले हैं.

संक्षिप्त समाचार

वृक्षों को ना काटने और उन्हें बड़े होने तक रखरखाव करने की अपील

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। उपनिदेशक जनसंपर्क अंजना भारती द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस एवं श्रावणी मेला की तैयारियों को लेकर मीडिया प्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई। बैठक में श्रावणी मेला की तैयारियों पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई। बैठक में समाचार प्रेषण, आवागमन हेतु गाड़ी की व्यवस्था, मीडिया सेंटर एवं आईकार्ड हेतु सुझाव दिए गए। बैठक के उपरांत विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उपनिदेशक जनसंपर्क एवं सभी मीडिया प्रतिनिधियों द्वारा वृक्षारोपण किया गया। उप निदेशक जनसंपर्क ने मीडियागण से पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी लेकर वृक्षों को ना काटने और उन्हें बड़े होने तक रखरखाव करने की अपील की।

वृक्षारोपण कर सभी कर्मियों को शपथ दिलायी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 2023 को जिला सैनिक कल्याण पदाधिकारी कर्नल बीसी पांडे(से. नि.) ने वृक्षारोपण कर सभी कर्मियों को शपथ दिलायी कि हमें अपने कार्यालय एवं आसपास के इलाकों को प्लास्टिक मुक्त वातावरण रखने का संदेश दिया।उन्होंने कहा कि ईमानदारी पूर्वक हमें एक वृक्ष अवशय लगाना चाहिए ताकि पर्यावरण को संतुलित रखने में हरेक की भागीदारी हो। इस मौके पर निरंजन महतो, कार्याश्रम अधीक्षक विनय सिंह, शिव प्रसाद रविदास, हरि हस्सा मुर्ति, गोविंद प्रसाद, बाबुलाल हांसदा आदि भौजूद थे।

मनरेगा पार्क में किया गया वृक्षारोपण

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सदर प्रखण्ड दुमका के परिसर में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, दुमका एवं प्रखण्ड के पदाधिकारियों और कर्मियों द्वारा वृक्षारोपण किया गया ।प्रखण्ड विकास पदाधिकारी एवं अन्य पदाधिकारियों एवं कर्मियों द्वारा गड्ढे की खुदाई की गयी तथा आम, जामुन, कटहल और गुलमोहर के पौधे का वृक्षारोपण किया गया। इसके अतिरिक्त प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, दुमका द्वारा बड़तल्ली पंचायत के मुर्गाबनी गाँव स्थित मनरेगा पार्क में भी वृक्षारोपण किया गया । इस अवसर पर प्रखण्ड के सभी पदाधिकारी और कर्मी उपस्थित थे ।

विभिन्न मांगों को लेकर समाहरणालय परिसर में जनवितरण प्रणाली विक्रेताओं ने किया धरना-प्रदर्शन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका । जनवितरण प्रणाली विक्रेताओ के मांगों पर सरकार द्वारा निर्णय नहीं लिए जाने के विरोध में फेयर प्राइस शोप डीलर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष ओंकार नाथ झा की अध्यक्षता में दुमका स्थित समाहरणालय परिसर में जिले के सभी प्रखंडों से आए विक्रेताओं द्वारा एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। धरना प्रदर्शन के उपरांत महामहिम राज्यपाल के नाम 8 सुत्री ज्ञापन उपायुक्त द्वारा अधिकृत पदाधिकारी को सौंपा गया। जन वितरण प्रणाली विक्रेता द्वारा आयोजित एक दिवसीय धरना प्रदर्शन को भाजपा नेत्री सह झारखंड सरकार की पूर्व कल्याण मंत्री डा लुईस मरांडी ने भी समर्थन किया। डा मरांडी ने धरना स्थल पर पहुंचकर विक्रेताओं को हो रही परेशानी की जानकारी लेने के बाद उन्होंने झारखंड सरकार पर जमकर निशाना साधा तथा विक्रेताओं को आश्वस्त करते हुए कहा कि वह हर कदम पर उनके साथ है। उन्होंने विक्रेताओं की मांगों को जायज बताते हुए झारखंड के महामहिम राज्यपाल एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अवगत कराने तथा जल्द ही इस मामले में राज्यपाल एवं केंद्र सरकार से हस्तक्षेप करने का अनुरोध करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष ओंकार नाथ झा ने बताया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना को चला रहे हजारों जनवितरण प्रणाली विक्रेता ओर स्वंय सहायता समूह के सदस्य आर्थिक संकट का सामना करते हुए विभिन्न समस्याओं को लगातार झेलते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की सबसे बड़ी योजना को कोरोना काल में भी अपनी जान देकर जारी रखने लगातार जनता की सेवा करने में जिले और राज्य के विक्रेता प्रति दिन कार्यरत है। लेकिन भूखे पेट अब डीलर समाज सेवा नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि जिम्मेदारियों का बोझ डालकर आपूर्ति विभाग तरह तरह से शोषण करते आ रही है। विक्रेताओं पर परिवार के भरण-पोषण का खतरा मंडरा रहा है। वे अपने बच्चों की पढ़ाई लिखाई तक नहीं करवा पा रहे है। जिन परिवारों के बुजुर्ग मुखिया डीलर की मृत्यु हो गई उनके आश्रितों के बीच भुखमरी की नौबत आ गई है। महामहिम राज्यपाल को सौंपे गए ज्ञापन में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना में वितरित किए गए कमीशन मद की करोड़ों रुपए बकाया राशि का भुगतान कराने, एन एफ एस ए मद में विगत तीन माह से वितरण किए जा रहे खाद्यान्न का कमीशन की राशि का भुगतान कराने, विधानसभा में दिए गए आश्वासन के बावजूद अनुकंपा की नीतियों में अब तक बदलाव नहीं करने, वापस लिए गए खाली जूट बोरे के मद में लाखों रुपए बकाया राशि का अब तक भुगतान नहीं करने, राज्य खाद्य निगम गोदामों से सही मात्रा में खाद्यान्न आपूर्ति कराने, 2 जी मशीन को 4 जी में परिवर्तित कराने, खाद्यान्न वितरण के अलावा अन्य कार्य का पारिश्रमिक भुगतान कराने, मुख्यमंत्री के द्वारा कमीशन में वृद्धि करने के साथ मानदेय पर विचार करने का आश्वासन दिए जाने के बाद आपूर्ति विभाग के द्वारा किसी तरह की कार्रवाई नहीं करने जैसी मांगें शामिल हैं। कार्यक्रम को कार्यकारी जिलाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद साह, जिला महासचिव सुनील कुमार झा, नगर अध्यक्ष। चंदेश्वर सिंह सहित सभी प्रखंडों के प्रखंड अध्यक्षो ने भी संबोधित किया। धरना प्रदर्शन मे हजारो की संख्या में जनवितरण प्रणाली विक्रेता मौजूद थे।

जिले के सभी सरकारी कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिले के सभी सरकारी कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। समाहरणालय परिसर में उपायुक्त, उप विकास आयुक्त,डीआरडीए निदेशक, अपर समाहर्ता,अनुमंडल पदाधिकारी,एवं अन्य वरीय पदाधिकारियों द्वारा वृक्षारोपण कर पर्यावरण को संरक्षण करने का संदेश दिया गया। मौके पर उपायुक्त ने कहा कि 05 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में मनाते आ रहे हैं,इसका मुख्य उद्देश्य यह कि प्रत्येक व्यक्ति को पर्यावरण के प्रति जागरूक होना चाहिए, प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक वृक्ष अवशय लगाना चाहिए यदि प्रकृति का संतुलन बनाना है,तो वृक्ष लगाना है।

उन्होंने कहा कि Mission LiFE (LiFE style for environment) के अंतर्गतजिले में mass awareness एवं mobilisation अभियान का संचालन किया जाना है। इस अभियान के निमित्त 07 चिन्हित थीम के अंतर्गत 75 सामान्य पर्यावरण Friendly कार्य हेतु जनमानस को जागरूक किया जाना है। उन्होंने सभी कार्यालय प्रधान को निदेश दिया कि वे अपने-अपने कार्यालय परिसर में स्वयं तथा कार्यालय कर्मियों के सहयोग से श्रमदान करके 01 से 10 गड्ढों की खुदाई करेंगे एवं 15 दिनों के अंदर वृक्षारोपण हेतु वन प्रमंडल पदाधिकारी, दुमका से समन्वय स्थापित करते हुए वृक्षारोपण का कार्य करेंगे। Mission LiFE (LiFE style for environment) के निमित्त 07 चिन्हित थीम तथा 3R (Reduce, Reuse, Recycle) के अंतर्गत आमजन मानस के मध्य जागरूकता फैलायेंगे।

डीडीसी ने किया माहवारी स्वच्छता रथ को रवाना

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, दुमका अंतर्गत विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर चुप्पी तोड़ो- स्वस्थ रहो' राज्य स्तरीय अभियान के चौथे चरण का आयोजन की शुरूआत माहवारी स्वच्छता रथ रवाना हरी झंडी दिखाकर उप विकास आयुक्त, दुमका के द्वारा किया गया। माहवारी में स्वच्छता को बढ़ावा देने के उदेश्य से रथ के माध्यम से माईकिंग द्वारा महिलाओं एवं किशोरियों में माहवारी के दौरान हाइजीन और स्वच्छता के महत्व को संगीत के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है। 05 से 12 जून तक चुप्पी तोड़ो स्वस्थ रहो अभियान कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस अभियान का विषय- माहवारी संबंधित चुनौतियों को जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरणीय स्थिरता को समुदाय के दृष्टिकोण से दूर करना तथा आवशयक समाधानों को प्रोत्साहित करने पर केन्द्रित है। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत ग्राम स्तर पर सुरक्षित अपशिष्ट प्रबंधन का कार्य अभिसरण के आधार पर किया जाना है। इस कार्य हेतु स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), पेयजल एवं स्वच्छता विभाग एवं 15वे वित आयोग मद, पंचायती राज विभाग में प्रावधान किया गया है। उपरोक्त विभागों के सम्मलित प्रयास से ही हम ग्राम स्तर पर माहवारी अपशिष्ट प्रबंधन अंर्तगत भरमक अधिस्ठापन के कार्यों के क्रियान्वयन कर पूर्ण रूप से सक्षम हो पायेंगे एवं महिलाओं और किशोरियों के सामाजिक भावनात्मक, सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता मिलेगी। कार्यक्रम में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सभी सहायक अभियंता / कनीय अभियंता एवं जिला समन्वयक और सभी कार्यालय कर्मी उपस्थित थे।

लोगों को कानूनी जानकारियों से कराया अवगत

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। जिला विधिक सेवा प्राधिकार,दुमका के तत्वाधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका अनिल कुमार मिश्रा के निर्देश पर मन का मिलन पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सोमवार को मध्यस्थता केंद्र में मध्यस्थ करवाते हुए पैनल अधिवक्ता ने कहा कि छोटे हो या बड़े मध्यस्थता के माध्यम से हल निकालना पूरी तरह से दोनों पक्षों की सहमति पर ही निर्भर करता है। अन्य कानूनी जानकारी से अवगत कराया साथ ही उन्होंने लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि कार्यक्रम के तहत परामर्श सेवाएं, दृशय श्रव्य माध्यम से मध्यस्थता, लोक अदालत की सफल कहानियां, मुकदमा पूर्व स्तर के मामलों में आवेदन तथा सुझाव का लाभ इस विशेष अभियान के माध्यम से जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा प्रदान किया जा रहा है। निशुल्क कानूनी सुविधा उपलब्ध हेतु सरकारी खर्च पर वकील मुहैया, कोर्ट फीस, अभिलेखों कागजातों को तैयार करने के लिए अभिप्रमाणित प्रति निशुल्क दिया जाता है।

पर्यावरण का मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव विषय पर वर्चुअल सेमिनार आयोजित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर मनोविज्ञान विभाग में विभागाध्यक्ष डॉ विनोद कुमार शर्मा की अध्यक्षता में विश्व पर्यावरण दिवस' के अवसर पर पर्यावरण का मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव ₹ विषय पर वर्चुअल सेमिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विभागाध्यक्ष डॉ विनोद कुमार शर्मा ने कहा कि पर्यावरण की स्वच्छता व सुंदरता मानव अस्तित्व के लिए जरूरी है। पर्यावरण दिवस की सार्थकता केवल इस बात से न जानी जाय लोग कार्यक्रमों के द्वारा लोगों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुकता बढ़ाये व उनमें अपेक्षित उत्तरदायित्वों के प्रति संवेदना जगाएं अर्थात लोग न केवल वातावरण को प्रदूषण मुक्त रखे, मुहल्ला स्वच्छता को प्रमोशन दे, ज्यादा पेड़ - पौधे लगाएं, प्लास्टिक मुक्त समाज रहे, धूम्रपान निषेध को बढ़ावा दे, नशा मुक्त समाज का निर्माण में सहयोग करे आदि - आदि बल्कि लोगों में इस बात का भी रियालायजेशन करना व कराना जरूरी है कि पर्यावरण में दोष होने से लोग मानसिक रूप से निश्चितरुपेण अस्वस्थ्य हो सकते है। ऐसे में व्यक्ति न केवल बेचैनी, चिड़चिडापण, गुस्सा, भय, घबराहट, नकारात्मक विचार, अपराध भावना,आदि मनोविकारी लक्षणों से ग्रसित होते दिखते है बल्कि तनाव, चिंता, रोगभ्रम, फोबिया, विषाद , मनोग्रस्त- बाध्यता विकृति आदि जैसे मानसिक रोग का शिकार भी होते है। अस्वस्थकर वातावरण से जहाँ तरह- तरह की बीमारियों का शिकार होते है वही सामाजिक अन्तरसंबंध भी खराब होता है। लोगों को अक्सर अनिद्रा, संज्ञानात्मक क्षमता में बिखराव जिससे लोग सही तर्क न दे पाते है और न सही निर्णय ले पाते है । साथ ही उनमें सामाजिक अभिरुचि की कमी व सामाजिक पलायन जैसे मानसिक रोग लक्षणों से वाशिभूत भी होते है । लोगों में भीड़, शोर शराबा, तीव्र ध्वनि, पर्याप्त बिजली, पानी, हवा आदि की कमी भी लोगों के मन को बीमारी बनाने में एक कसर नही छोड़ती है। साथ ही चीजों का रख- रखाव, क्रम, सजावट, रंग, रोशनी आदि का सही नही रहना या पाया जाना पर्यावरणीय मनोविज्ञान के स्वास्थ्य को बिगाड़ देता है। लोग असंतोष व तनाव से परेशान व गुस्सा होकर आक्रमणकारी व्यवहार करते है। इससे सृजनात्मक क्षमता सहित विकास की मनोवृत्ति को क्षति तो पहुँचता ही साथ ही सामाजिक समरसता सहित राष्ट्रीय विकास को भी अवरुद्ध करता है। इस कार्यक्रम में विधार्थियो में निशा कुमारी, सानोज कुमार गोराई, अनूप मुर्मू, छोटे लाल, उत्तम कुमार, आदि ने भी विचार रखे।

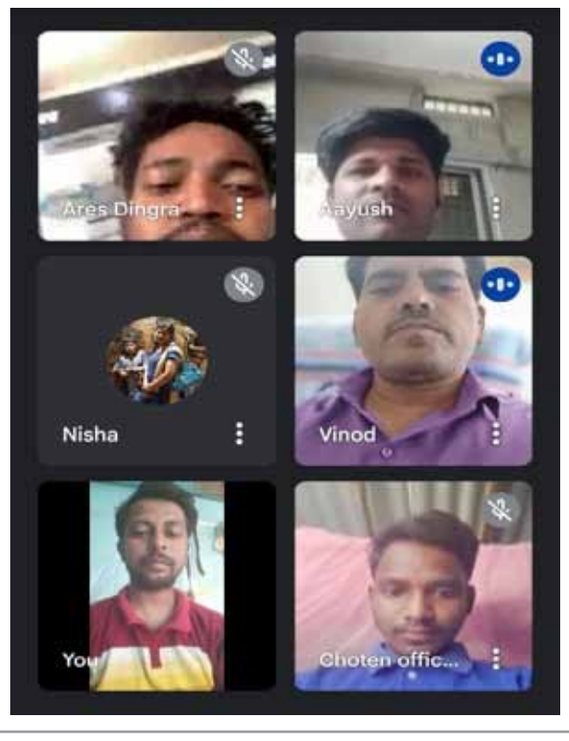

संक्षिप्त समाचार

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अंतर्गत चुप्पी तोड़ो स्वस्थ रहोर अभियान के चौथे चरण कार्यक्रम का किया गया शुभारंभ

- **माहवारी स्वच्छता प्रबंधन जन जागरूकता रथ को पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता ने हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना**
- **महावारी अपशिष्ट का सुरक्षित निपटान स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण के लिए आवश्यक**

पाकुड़ः (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण फेज-2 अंतर्गत चुप्पी तोड़ो स्वस्थ रहो अभियान के चौथे चरण का शुभारंभ किया गया जिसको लेकर जिला जल एवं स्वच्छता समिति,पाकुड़ के द्वारा महावारी स्वच्छता

प्रबंधन हेतु जन जागरूकता रथ को पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल,पाकुड़ के कार्यपालक अभियंता राहुल श्रीवास्तव, सहायक अभियंता अभिजीत किशोर एवं जिला समन्वयकों ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रथ को रवाना किया जो दिनांक 5 जून 2023 से 12 जून 2023 तक जिले के विभिन्न ग्रामों में घूम घूम कर ग्रामीणों को जागरूक करेंगे। इस वर्ष का विषय है माहवारी संबंधी चुनौतियों को जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण स्थिरता को समुदाय के दृष्टिकोण से दूर करना तथा आवश्यक समाधानो को प्रोत्साहित करने पर केंद्रित है अनियंत्रित ठोस अपशिष्ट के उत्पादन से पर्यावरण पर बढ़ते भार उचित प्रबंधन तंत्र के व्यापक स्तर पर कवरेज में कमी महावारी स्वच्छता उत्पादों की उपलब्धता में कमी, विशेषकर किशोरियों और महिलाओं में स्वास्थ्य एवं हाइजीन को प्रभावित कर रहा है। वहीं स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अंतर्गत ग्राम स्तर पर सुरक्षित अपशिष्ट प्रबंधन का कार्य अभिसरण के आधार पर किया जा रहा है जिसमें पेयजल एवं स्वच्छता विभाग एवं 15 वें वित्त आयोग मद, पंचायती राज विभाग के सम्मिलित प्रयास से महावारी अपशिष्ट प्रबंधन अंतर्गत भस्मक का निर्माण किया जाना है तथा इसके उपयोग हेतु ग्राम स्तर पर जलसहिया दीदी, स्वास्थ सहिया दीदी, आंगनबाड़ी सेविका दीदी, विद्यालय के शिक्षक / शिक्षिकाएं एवं ग्राम स्तर पर स्वयं सहायता समूह के दीदी के साथ समन्वय बनाकर ग्राम स्तर पर ग्रामीणों को विशेषकर महिलाओं एवं किशोरियों में जागरूकता लाना तथा पुरानी मान्यताओं,अंधविश्वास एवं मिथक को दूर करना है। इस अवसर पर जिला समन्वयक सुमन कुमार मिश्रा, इमरान आलम एवं रितेश कुमार, कनीय अभियंता दिनेश मंडल सहित अन्य कर्मी उपस्थित थे।

डीसी ने नगर परिषद क्षेत्र के दीन दयाल उपाध्याय उद्यान (रानी दिग्गी पटाल) का निरीक्षण किया

पाकुड़ः (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। सोमवार को उपायुक्त वरुण रंजन ने नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत तांतीपाड़ा स्थित दीन दयाल उपाध्याय उद्यान (रानी दिग्गी पटाल) का निरीक्षण किया। उपायुक्त वरुण रंजन ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय उद्यान

के सौंदर्यीकरण को लेकर किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में मौके पर मौजूद नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी कौशलेश कुमार यादव ने उपायुक्त को उद्यान में किए जा रहे कार्यों के बाबत जानकारी देते हुए बताया कि रानी दिग्गी तालाब का गहराईकरण के साथ साथ उद्यान का सौंदर्यीकरण का कार्य करवाया जा रहा है। उपायुक्त ने मौके पर मौजूद संवेदक से उद्यान का सौंदर्यीकरण का कार्य कब तक पूरा हो जाएगा इसके बाबत जानकारी दी और जानकारी लेने के बाद उपायुक्त ने कहा कि वर्षा का मौसम आने वाला है ऐसे में सौंदर्यीकरण का कार्य जितना जल्दी हो उसे पूरा कर ले। मौके पर डीआरडीए निर्देशक-सह-जिला आपूर्ति पदाधिकारी संजय कुमार दास, जिला स्थापना उप समाहर्ता विकास कुमार त्रिवेदी, कार्यपालक दंडाधिकारी आशुतोष, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, नगर परिषद कार्यपालक पदाधिकारी कोशलेश कुमार यादव, एसएमपीओ पवन कुमार एवं सिटी मैनेजर समेत अन्य उपस्थित थे।

जिले में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया, विश्व पर्यावरण दिवस पर डीसी ने किया पौधारोपण

- **पर्यावरण संरक्षण के लिए करें पौधारोपणः- उपायुक्त**
- **हर व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं, विश्व पर्यावरण दिवस की जिलावासियों को दी शुभकामनाएंः-उपायुक्त**

पाकुड़ः (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। उपायुक्त वरुण रंजन, डीआरडीए निर्देशक-सह-जिला आपूर्ति पदाधिकारी संजय कुमार दास, जिला स्थापना उप समाहर्ता विकास कुमार त्रिवेदी, नगर परिषद कार्यपालक पदाधिकारी कोशलेश कुमार यादव के द्वारा दीन दयाल उद्यान (रानी दिग्गी पटाल) में पौधारोपण किया गया और लोगो

से पर्यावरण को बचाये रखने के लिए पौधारोपण की अपील की। उपायुक्त वरुण रंजन ने कहा कि जल जंगल जमीन की सुरक्षा पर्यावरण संतुलन के लिए जरूरी है। अधिक से अधिक पौधरोपण किए जाने की अवश्यकता है। पौधरोपण से मिट्टी का कटाव रूकेगा। भू-गर्भीय जलस्तर ऊपर आएगा। वहीं भविष्य में लोगों को आर्थिक लाभ भी होगा। उन्होंने पर्यावरण को सुरक्षित बनाए रखने के लिए अपने आसपास पेड़ लगाने के साथ-साथ उनकी देखरेख करने की अपील की। उपायुक्त ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए आम लोगों में संवेदनशीलता व जागरूकता जरूरी है। पर्यावरण का संबंध हमारे जीवन से है। पर्यावरण हमें बहुत कुछ देती हैं। हमें भी पर्यावरण के लिए कुछ करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण काफी जरूरी है। वहीं जिला जनसंपर्क कार्यालय परिसर में जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन के द्वारा पौधारोपण किया गया।

दो पिकअप वाहन में टक्कर, बाल बाल बचे चालक

पाकुड़ः (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र के छोटा पहाड़पुर साहेबगंज गोविंदपुर हाइवे पर दो पिकअप वाहन आपस में टक्कर में बाल बाल बचे चालक। मिली जानकारी के अनुसार जेएच 05 बीवाई 9781 और जेएच 05 सीभी 2506 धनबाद से मालदा आम लोड करने जा रही थी। जेएच 05 सीभी 2506 पिकअप वाहन ने जेएच 05 बीवाई 9781 को पीछे से जोरदार धक्का मारा। जिससे आगे जा रहे हैं पिकअप वाहन सड़क के किनारे खाई में जाकर गिरी और एक पिक अप वाहन रोड पर क्षतिग्रस्त हो गया। घटना की सूचना मिलते हैं पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर दोनों पिकअप वाहनों को जप्त कर लिया गया और चालक को सुरक्षित इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया गया।

डीसी ने अमड़ापाड़ा प्लस टू उच्च विद्यालय, आदिवासी छात्रावास एवं प्रकृति विहार पार्क का निरीक्षण किया

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ः उपायुक्त वरुण रंजन के द्वारा सर्वप्रथम प्लस टू उच्च विद्यालय पहुंचकर बीजीआर कोल कंपनी के द्वारा गोद ली गई विद्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कोल कंपनी के द्वारा सीएसआर के तहत की जा रही कार्यों की जानकारी प्राप्त की। डीसी ने बीजीआर के अधिकारी को क्लास, स्मार्ट क्लास, लाइब्रेरी, प्रयोगशाला के साथ ऑफिस, छात्र एवं छात्राओं के लिए अलग अलग शौचालय बनाने एवं विद्यालय में पानी की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। साथ ही साथ इन सभी कार्यों को एक माह के अंदर पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। इसके पश्चात उपायुक्त के द्वारा आदिवासी छात्रावास का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कोल कंपनी के अधिकारी को हॉस्टल में सुविधा बेडरूम, चाहरदीवारी सहित शौचालय को दुरुस्त करने का निर्देश दिया गया। वहीं उपायुक्त ने हॉस्टल के जमीन को अतिक्रमण किए जाने की बात सामने आई है। उपायुक्त ने अंचलाधिकारी को इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। वहीं उपायुक्त वरुण रंजन डाकबंगला स्थित पार्क पहुंचे वहां देखभाल रखरखाव सहित अन्य कार्यों की जानकारी ली और पार्क को डेवलप करने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश बीजीआर कोल कंपनी के अधिकारी को दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों के लिए झूला, गार्डन, ओपन स्टेज, चाहरदीवारी एवं पार्क में पीसीसी सडक निर्माण सहित अन्य कार्य को को दुरुस्त करने एवं सही से देखभाल करने का निर्देश कोल कंपनी के अधिकारीयों को दिया। मौके पर अपर समाहर्ता मंजू कुमारी स्वांसी, एसडीओ हरिवंश पंडित, डीआरडीए निदेशक सह जिला आपूर्ति पदाधिकारी संजय कुमार दास, जिला स्थापना उप समाहर्ता विकास कुमार त्रिवेदी, बीडीओ कुमार देवेश द्विवेदी, पुलिस इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी गोपाल कृष्ण यादव सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

उपायुक्त ने समाहरणालय स्थित विभिन्न कार्यालयों का किया निरीक्षण

कार्यालय के साफ सफाई को लेकर भी दिए आवश्यक निर्देश

- **डीसी ने कहा लोगों के सुविधा के लिए अब जिले के प्रमुख कार्यालय एक ही परिसर में होगा संचालित**

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ः आमलोगों की सुविधा के लिए जिले के प्रमुख विभागों के कार्यालय एक ही परिसर में संचालित होंगे। इसको लेकर सोमवार को उपायुक्त वरुण रंजन ने समाहरणालय परिसर का निरीक्षण किया। उपायुक्त ने कहा कि कुछ ऐसे कार्यालय जो समाहरणालय से बाहर स्थित है, वैसे कार्यालय को पुनः व्यवस्थापन किया जाएगा। जैसे जिला परिवहन कार्यालय, जिला निबंधन कार्यालय, जिला कोषागार कार्यालय, जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय आदि को ससमय स्थापित करने हेतु रोड मैप बनाने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि इन सभी कार्यालय को समाहरणालय में शिफ्ट किया जाएगा। ताकि आमलोगों को कार्यालय ढूंढने में परेशानी ना हो। वहीं उपायुक्त ने निरीक्षण के दौरान कर्मियों को सफाई को लेकर विशेष ध्यान देने की बात कही। साथ ही अपने अपने कार्यस्थल को स्वच्छ रखने का निर्देश दिया। इसके अलावा अन्य लोगों को भी गंदगी ना फैलाने के लिए प्रेरित करने की बात कही। उन्होंने अगले दो दिनों के अंदर सभी कार्यालयों की समुचित साफ-सफाई के अलावा फाइलों को विधिवत संधारण के साथ-साथ उसको नियत स्थान में रखने का भी निर्देश दिया। मौके पर डीआरडीए निदेशक-सह-जिला आपूर्ति पदाधिकारी संजय कुमार दास, जिला स्थापना उप समाहर्ता विकास कुमार त्रिवेदी, जिला शिक्षा पदाधिकारी रजनी देवी, जिला कल्याण पदाधिकारी विजन उरांव, कार्यपालक दंडाधिकारी आशुतोष, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, जिला शिक्षा अधीक्षक मुकुल राज समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

लोकोस मोबाईल एप्लीकेशन का दो दिवसीय प्रशिक्षण का किया गया आयोजन

पाकुड़ः (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी,पाकुड के सौजन्य से लोकोस मोबाइल एप्लीकेशन का दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन चास हाट फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के सभाकक्ष में जिला कार्यक्रम प्रबंधक प्रवीण मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिला कार्यक्रम प्रबंधक प्रवीण मिश्रा के द्वारा बतलाया गया कि जिले के सभी प्रखंडों में कार्यरत सामुदायिक समन्वयक, पीआरपी, बीएपी, एडमिन, डाटाइंट्री ऑपरेटर आदि का दो दिवसीय प्रशिक्षण का आरंभ किया गया है। जिसके तहत प्रथम चरण में पाकुड़ सदर, हिरणपुर और लिट्टीपाड़ा प्रखंड के कर्मियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है तथा दूसरे चरण में महेशपुर, पाकुड़िया और अमड़ापाड़ा प्रखंड के कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि लोकोस मोबाईल एप्लीकेशन समुदाय आधारित कार्यतंत्र है जो सखी मंडल और उनके संघों का एकीकृत समाधान है जिसमें सदस्यों को पंजीकृत करते हैं। नया सखी मंडलों का निर्माण कर उनकी जानकारी को एकत्रित कर सत्यापन किया जाता है। सखी मंडल के संचालन को प्रबंधित करते हैं जिसके तहत उपस्थिति, बचत, ऋण वितरण, पुर्नभुगतान,बही खाता एवं अन्य वित्तीय गतिविधियां एकीकृत की जाती है तथा सखी मंडल की सारी जानकारी अन्य सरकारी व गैर सरकारी संस्था एवं सरकारी योजनाओं को लाभुक तक पहुंचाया जाता है। प्रशिक्षक एमआईएस ऑफिसर रवि शंकर के द्वारा लोकोस मोबाइल एप्लीकेशन का विस्तारपूर्वक परिचय दिया गया तथा बतलाया गया कि सखी मंडल के सारे सदस्यों को पंजीकरण की प्रक्रिया, सदस्यों का आजीविका, बैंक खाता, आधार,मोबाइल नंबर, फोटो आदि का पंजीकरण करना है एवं नया सखी मंडल का गठन कर उसका पंजीकरण करना, सखी मंडल के सदस्यों को सक्रिय एवं निष्क्रिय करना, पंजीकरण करने के उपरांत डाटा को लोकोस की सर्वर में अपलोड करना तथा उसको सत्यापन करना आदि पर विस्तारपूर्वक जानकारी दिया गया। मौके पर बीपीएम मो फैज़ आलम, सभी सामुदायिक समन्वयक, पीआरपी, बीएपी, एडमिन, डाटा इंट्री ऑपरेटर समेत अन्य उपस्थित थे।

पाकुड़ पॉलिटेक्निक के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं ने विश्व पर्यावरण दिवस धूमधाम से मनाया

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़। पर्यावरण की सुरक्षा एवं संरक्षण हेतु जन जागरण के दृष्टिकोण से पाकुड़ पॉलिटेक्निक के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं ने विश्व पर्यावरण दिवस संस्थान परिसर में पूरे उत्साह एवं उमंग से मनाया । कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए संस्थान के मुख्य प्रशासनिक पदाधिकारी निखिल चंद्रा ने पर्यावरण के संरक्षण हेतु आम जन- मानस से पेड़ लगाने, वनों की कटाई रोकने, प्रदूषण से बचाव करने एवं जैव विविधिता लाने की अपील की । इस अवसर पर संस्थान के प्रभारी प्राचार्य डॉ. ऋषिकेश गोस्वामी और परीक्षा नियंत्रक अमित रंजन ने हरित प्रदेश एवं हरित राष्ट्र की स्थापना पर बल दिया । छात्रों के बीच ग्रीन कैंपस की वीडियो एवं पर्यावरण बचाओ पर चित्रकारी प्रतियोगिता का आयोजन कर इसे रुचिकर बना दिया तथा पर्यावरण हेतु सामाजिक जागृति लाने पर बल दिया । विश्व पर्यावरण दिवस 2023 का थीम है ''बीट प्लास्टिक पोल्यूशन''क इस विषय पर संस्थान में सेमिनार का आयोजन भी किया गया । जिसमे बताया गया की प्लास्टिक प्रदुषण कितनी गम्भीर समस्या है और इसकी रोकथाम के लिए हम क्या कर सकते है क कार्यक्रम में ऑनलाइन जुड़ते हुए संस्थान के निदेशक श्री अभिजित कुमार ने सभी को पर्यावरण को प्रदुषनमुक्त बनाने हेतु संकल्प दिलवाया क छात्र-छात्राओं ने इसमें पुरे मनोयोग से इन विविध प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया ` इस अवसर पर संस्थान परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम के माध्यम से पेड़ लगाये गये ` संस्थान के सभी विभागाध्यक्ष एवं व्याख्याताओं ने अत्यंत उत्साहपूर्वक शामिल हो सामाजिक विषयों पर संस्थान की सहभागिता सुनिश्चित किया ।ज्ञातव्य है कि विश्व पर्यावरण दिवस संयुक्त राष्ट्र की पहल पर 1972 से ही हर 5 जून को पूरे विश्व में मनाया जाता है । कृषि, जलवायु परिवर्तन, प्रदुषण, जैव विविधता इत्यादि इसके कारक एवं प्रतिफल हैं हमें हरित प्रदेश एवं हरित राष्ट्र के सृजन में छात्रों एवं आम जनों की भागीदारी सुनिश्चित कर वनों की कटाई, प्रदुषण इत्यादि से बचाओ कर संपूर्ण विश्व को संरक्षित करने की आवश्यकता है ।

एटी एम लॉटरी के साथ एक व्यक्ति धराया

हिरणपुर(पाकुड़)ः (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। अवैध लॉटरी का कारोबार थमने का नाम नही ले रहा है। सोमवार को पुलिस ने सुभाष चौक के पास से हिरणपुर नामो पड़ा निवासी गौरीशंकर सेन पिता स्वर्गीय प्रभास सेन को अवैध जाली एटीएम लॉटरी के साथ गिरफ्तार किया। लॉटरी एक्ट 1998 7(क्क्क)के तहत केस दर्ज कर केस संख्या 61/23 धारा 420/290 आई पी सी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। लॉटरी बिक्रेता हिरणपुर बाजार सुभाष चौक के पास घूम घूम कर के लॉटरी बेच रहा था, इसी बीच गुप्त सूचना पाकर पहुंचे थाना थाना प्रभारी सुनील कुमार को देख लॉटरी बिक्रेता भागने लगा। पुलिस ने दौड़कर पकड़ लिया। तलाशी लेने पर 43 पीस अवैध लॉटरी , लॉटरी बेच कर रखे 2450 रुपये भी पुलिस ने जब्त किया। इस सम्बंध में थाना प्रभारी सुनील कुमार रवि ने बताया कि गुप्त सूचना पर कार्रवाई किया गया। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के उपास्थापन कर दिया गया। उन्होंने बताया कि अवैध लॉटरी को लेकर नियमित रूप से छापेमारी जारी रहेगी। मालूम हो कि हिरणपुर थाना क्षेत्र के तोड़ाई दंगापारा चौक तारापुर सीतपाहडी फुटानी मोड़ लखनपुर सहित पूरे हिरणपुर बाजार मैं लॉटरी का जोकि एटीएम टिकट के नाम से रोजाना लाखों रुपया की ठगी की जाती है.

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण में सुधार लाने को लेकर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ः सोमवार को नीति आयोग के आकांक्षी जिला पाकुड के रामपुर ग्राम पंचायत के अंतर्गत रामपुर गांव में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण में सुधार लाने को लेकर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन आईटीसी मिशन, सुनहरा कल एवं सहयोगी संस्था सर्व सेवा समिति संस्था की संयुक्त तत्वावधान में किया गया। स्वच्छ भारत मिशन के जल सहिया के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। जिसमें रामपुर पंचायत के रामपुर, अनुपदंगा की 70 किसान कार्यक्रम में भाग लिया। जागरूकता कैंप की आयोजित करने के दौरान उपस्थित 25 किसान के बीच एक एक पौधा वितरण किया गया। साथ ही पायलट स्कीम जैसे प्राकितिक खेती,फार्म पॉन्ड सह मछली पालन, बायोफ्लॉक फिश कल्चर एवं शौचालय खाद की तैयार और इस्तेमाल एवं सोलर पावर जेनरेशन के बारे में संस्था के जिला समन्वयक अमित कुमार साहा ने विस्तार से चर्चा की। उन्होंने सभी को कहा की पाकुड़ जिला नीति आयोग की आकांक्षी जिला होने के नाते आईटीसी मिशन सुनहरा कल पिछले चार साल से कृषि एवं सम्बन्धित क्षेत्र में सरकार, किसानों के हित में विभिन्न प्रकार का कार्य कर रही है। किसानों के बीच प्रशिक्षण, प्रदर्शन, सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजाना के प्रचार प्रसार का कार्य किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने उपस्थित सभी किसान से अपील किया गया की स्वच्छ भारत मिशन से बनाया हुआ शौचालय को सदुपयोग और शौचालय से शौचालय कम्पोस्ट खाद को कैसे खेत में इस्तेमाल कर और प्राकितिक खेती को अपनाकर किसान खेती कर सके। साथ ही साथ , हमारे भू जलस्तर, मिट्टी, पर्यावरण को शुद्धिकरण कर कैसे दैनंदिन जीवन स्तर पर सुधार लाना है। उसपर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हमारा संस्था कृषि विकास के साथ साथ हर सामाजिक गतिविधि के लिए तत्परता पूर्वक कार्य कर रही है। खासकर छोटा और प्रांतिक किसान, महिला, पहाड़िया समुदाय की सतत विकास हेतु विभिन्न जनकल्याणकारी कार्य किये जा रहें हैं। साथ ही सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजना को सभी लाभार्थी तक पहुंचाया जा सके, ताकि आनेवाले एक साल के अंदर पाकुड़ आकांक्षी जिला से बाहर आ सके और किसान की दैनंदिन जीवन स्तर पर सुधार आ सके। मौके पर सर्व सेवा समिति संस्था के जिला समन्वयक अमित कुमार साहा, फील्ड कोऑर्डिनेटर मूस्लेउद्दि अंसारी, अनूप मंडल, वालंटियर साकिर सेख, किसान मित्र, जल सहिया, समाज कर्मी एवं 70 किसान समेत अन्य मौजूद थे।

बालगृह में पहुंचने पर टीम के सदस्यों को बालगृह के बच्चों और कर्मियों द्वारा पुष्पगुच्छ देकर स्वागत

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। अवर सचिव, झारखंड राज्य बाल संरक्षण संस्था,अरशद जमाल, चौधरी आभास कुमार, प्रोग्राम मैनेजर, शगुफ्ता बानो, प्रोग्राम ऑफिसर, झारखंड राज्य बाल संरक्षण संस्था, राहुल मेहता, स्टेट को -ऑर्डिनेटर एवं वेद प्रकाश तिवारी, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, रांची द्वारा संयुक्त रूप से बालगृह पाटजोर, रानेश्वर, बालगृह (बालिका), धधकिया, संप्रेक्षण गृह, हिजला, दत्तक ग्रहण संस्थान एवं बालगृह (बालक), श्रीआमडा का निरीक्षण किया गया। बालगृह में पहुंचने पर टीम के सदस्यों को बालगृह के बच्चों और कर्मियों द्वारा पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। निरीक्षण के दौरान टीम में शामिल पदाधिकारियों द्वारा बाल गृह में आवासित बच्चों और कर्मियों से उपलब्ध आधारभूत संरचना और सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की गई।निरीक्षण के दौरान उपस्थित जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, सुचिता किरण भगत द्वारा बालगृह को सरकार द्वारा प्रदत्त वित्तीय सहायता और आवासित बच्चों को दी जा रही सभी सुविधाओं के संबंध में टीम को अवगत कराया गया।निरीक्षण के दौरान टीम में शामिल अन्य पदाधिकारियों द्वारा सभी बच्चों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत करते हुए उनके बालगृह में रहने की अवधि, पारिवारिक ,आर्थिक, सामाजिक स्थिति ,परिवार में वापसी की संभावनाओं एवम अन्य जरूरतों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की गई। निरीक्षण के क्रम में बालगृह में आवासित बच्चों के लिए उपलब्ध सुविधाओं सहित बच्चों के शारीरिक, शैक्षणिक एवम अन्य प्रगति को काफी संतोषजनक बताया गया।बालगृह (बालिका), पाटजोर के निरीक्षण के क्रम में बच्चियों के पुनर्वासन से संबंधित जानकारी निरीक्षण टीम के द्वारा किए जाने पर अधीक्षक, ने बताया कि गृह की वैसी बच्चियां जोकि बालिग हो जाती हैं, उन्हें बाल कल्याण समिति के आदेश से उनके अभिभावक को सुपुर्द कर दिया जाता है।साथ ही अभिभावक के आग्रह पर बालिग बच्चियों की शादी में आर्थिक मदद उनके द्वारा दी जाती है। अधीक्षक के द्वारा बताया गया की अब तक 04 बालिग लड़कियों की शादी में उनके द्वारा शादी का सारा खर्च वहन किया गया है, जिसकी तारीफ अवर सचिव द्वारा की गई। साथ ही उन्होने ने कहा कि इस प्रकार की मदद अनुकरणीय है। बाल गृह में आवासित सभी बच्चों के स्वर्णिम भविष्य की कामना की गई एवं संस्था के प्रतिनिधि और बालगृह में कार्यरत सभी कर्मियों को बच्चों के प्रति उनके समर्पण भावना के लिए बधाई देते हुए बालहित में और भी तत्परता के साथ कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। निरीक्षण के क्रम में राज्यस्तरीय टीम से बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष डॉ अमरेंद्र कुमार और सदस्य रंजन सिन्हा, डॉ राज कुमार उपाध्याय,नूतनबाला एवं कुमारी विजय लक्ष्मी , किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य धर्मेंद्र प्रसाद नारायण एवं किरण तिवारी ने मुलाकात कर डीसीपीयू, समिति और जेजे बोर्ड द्वारा संपादित किए जा रहे विभिन्न कार्यों, विभाग से प्राप्त हो रही सुविधाओं , उपलब्ध कराए जाने वाली अन्य सुविधाओं, विभिन्न मद के लिए आवंटन की आवश्यकता, बाल कल्याण समिति और किशोर न्याय बोर्ड के सामाजिक कार्यकर्ता की बहाली सहित अन्य कर्मियों की नियुक्ति के संबंध में विस्तृत रूप से अवगत कराया गया। संप्रेक्षण गृह, हिजला के 05 किशोरों एवं बालगृह (बालिका) पाटजोर की 05 बच्चियों एवं बालगृह, धधकिया के मैट्रिक की परीक्षा में शतप्रतिशत उत्तीर्णता पर टीम ने प्रसन्नता जाहिर कर उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सुचिता किरण भगत , जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी प्रकाश चंद्र एवं विधि सह परिवीक्षा पदाधिकारी अनिल मोहन ठाकुर के द्वारा संयुक्त रूप से निरीक्षण टीम के सदस्यों के प्रति सौजन्यता प्रकट किया गया।

संक्षिप्त समाचार

मनोविज्ञान के मूलभूत तकनीकी शब्दावली का संतालीकरण शुरु

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग के अधीनस्थ वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग के द्वारा संताल परगना महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में मनोविज्ञान के मूलभूत तकनीकी शब्दावलियों का संताली भाषा में निर्माण शुरु हुआ है। 5 जून से 9 जून तक यह कार्य आयोग से आए हुए सहायक निदेशक डॉ. संतोष कुमार के मार्गदर्शन में सम्पन्न होना है जिसमें सं. प. महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. कलानन्द ठाकुर, डॉ. किलिस मराण्डी, बालकिशोर मराण्डी, सनातन मुर्मू तथा वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय के डॉ. अमन मुर्मू उपस्थित हैं। संस्कृत विभाग में कार्यरत डॉ. कुमार नृपेन्द्र पाठक इस कार्यक्रम के समन्वयक हैं।

11 जून तक समर कैंप का आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। झारखंड राज्य वॉलीबॉल संघ के आदेशानुसार राज्य के सभी जिलों में एक साथ 4 से 11 जून तक समर कैंप का आयोजन किए जाने का निर्णय लिया गया है उक्त के आलोक में दुमका जिला वॉलीबॉल संघ के तत्वाधान में भी समर कैंप का आयोजन किया गया है कैंप का आयोजन जिले के विभिन्न स्थानों शिकारीपाड़ा परखंड, काठी कुंड परखण्ड, बासुकीनाथ तथा दुमका पुलिस लाइन वॉलीबॉल मैदान में आयोजन किया गया है इस कैंप में विभिन्न प्रखंडों के लगभग 80 खिलाड़ियों ने हिस्सा लेकर पसीना बहा रहे है तथा अपने हुनर को निखारने में लगे हैं । कोच के रूप में राष्ट्रीय खिलाड़ी व शारीरिक शिक्षकों की मदद ली गई है जो विभिन्न स्थानों पर प्रशिक्षण दे रहे हैं।इसकी जानकारी जिला वॉलीबॉल संघ के सचिव मुकेश कुमार ने दी है तथा उन्होंने कहा आने वाले समय में भी इसी तरह का समय समय पर प्रशिक्षण कैंप का आयोजन किया जाता रहेगा ताकि जिले में वॉलीबॉल का विकास तथा खिलाड़ियों को खेल के प्रति जागरूक किया जा सके।

विश्व पर्यावरण दिवस पर भाजपा ने किया पौधा रोपण

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। भारतीय जनता पार्टी मसलिया ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रखंड अध्यक्ष सहदेव मरांडी के नेतृत्व में पौधा रोपण कार्यक्रम आयोजन किया गया.श्री मरांडी ने हथियापाथर में फलदार व छायादार पौधा रोपण किया.उन्होंने कहा कि पर्यावरण से जुड़ी समस्याओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने के साथ ही उनसे निपटने के लिए ठोस कदम उठाने के लिए लोगों को प्रेरित किया गया.मौके पर पसस धरम मंडल,आशीष कुमार मंडल,विनय धीवर,गौरा चांद मंडल आदि मौजूद थे.

निशुल्क गंगाजल का वितरण

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। प्रत्येक सोमवार की तरह सोमवार को भी हर हर महादेव सेवा समिति के उपाध्यक्ष राकेश महतो के नेतृत्व में समिति के कोषाध्यक्ष मुकेश कुमार वर्मा, ने धर्मस्थान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के बीच निशुल्क गंगाजल का वितरण किया।

पौधा संरक्षण, संवर्धन एवं प्लास्टिक प्रदूषण नियंत्रण का लिया संकल्प

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। आदित्य नारायण महाविद्यालय दुमका में राष्ट्रीय सेवा योजना, इकाई 4 एवं 5 के नेतृत्व में विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधा संरक्षण, संवर्धन एवं प्लास्टिक प्रदूषण नियंत्रण का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व एन.एस.एस. कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ प्रमोद कुमार झा एवं प्रोफेसर अन्हद लाल कर रहे थे।इस कार्यक्रम में भाग लेने वालों में मृत्युंजय कुमार सिंह, अमरेंद्र कुमार, दिनेश पंडित, हैदर अली, दीपक दास, मुंशी हांसदा, मनोज कुमार सोरेन, अर्पण एनोस सोरेन, कुमार गौरव, मुकेश कुमार साह, भोला प्रसाद, तपन कुमार साह, लुखिन टुडू, अंजू कुमारी गुप्ता एवं अन्य उपस्थित थे।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ प्रमोद कुमार झा ने बताया कि आज है पर्यावरण के संरक्षण और संवर्धन करने की आवश्यकता है। आज हम सभी इस का संकल्प लिए हैं और इसका संरक्षण और संवर्धन का हर संभव प्रयास करेंगे। प्लास्टिक से विश्व में सबसे ज्यादा प्रदूषण फैला रहा है, उस को नियंत्रित करने का प्रयास सम्पूर्ण समाज को करना होगा।संकल्प एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर अन्हद लाल दिए और कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा किया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर आरजीएस गुरुकुलम में वृक्षारोपण

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। विश्व पर्यावरण दिवस पर आर जी एस गुरुकुलम में एक विशेष क्रायक्रम किया गया। प्रकृति को न करें हरण - आओ बचाये पर्यावरणर नारे के साथ बच्चों ने गुरुकुलम के प्रांगण में पौधा रोपण का कार्यक्रम किया। प्रधानाचार्य मिलान कुमार मंडल ने बच्चों को घटती हुए भूगर्वस्थ जल के स्रोत के वारे में जानकारी दी तथा उसको कैसे संरक्षण किया जाये इस वारे में बृस्तृत जानकारी दी। सह आचार्य तापस दास ने जंगल को कैसे संरक्षित किया जाये इस वारे में जानकारी दी। आचार्य उपेन मंडल ने बंजर भूमि में ज्यादा से ज्यादा पौधा लगाकर वायु मंडल में ऑक्सीजन बढ़ाने का बात कही। आचार्या जुगनू चौधुरी ने बच्चों को बर्जित प्लास्टिक और थर्मोकॉल से पर्यावरण पर होने वाले प्रदूषण से अपने शारीरिक बिमारिओ के बिषय में जानकारी दिए। अचार्य पार्थ मंडल ने पशु, पक्षी, किट, पतंग केशे इस पर्यावरण को सुरक्षित रखते है उस बिषय पर विस्तृत जानकारी दी। आचार्य संदीप रुज तथा आचार्या मीनू हेम्ब्रम एवं मिनी हांसदा ने बच्चों को साफ सुथरा रहकर अपने समाज को साफ सुथरा रखने का सलाह दीं। अंत में गुरुकुलम के अधीक्षक पल्लवी राय ने अपने समाज में कूड़ादान का इस्तेमाल करने सलाह दी तथा बच्चो को पल्स्टिक थर्मोकॉल का इस्तेमाल न करना तथा जल संरक्षण करने का शपथ दिलाई एवं सभी को धन्यवाद देकर कार्यक्रम का समापन किया।

पर्यावरण को बचाने के लिए हर सम्भव बदलाव लाएंगे

झारखंउ देखो/प्रतिनिधि।

दुमका । युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशन में राष्ट्रीय सेव योजना इकाई 1,3,4,5 की ओर से प्राचार्य डॉ अब्दुल रईस खान की अध्यक्षता में मयूराक्षी ग्रामीण महाविद्यालय रानीश्वर में बिश्व पर्यावरण दिवस जिसका थीम - मास मोबिलाइजेशन ऑन मिशन लाइफ जिसके अन्तर्गत पर्यावरण दिवस पर शपथ ग्रहण समारोह किया। जिसके अन्तर्गत महाविद्यालय के सभी कर्मी ने शपथ लिया की अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण को बचाने के लिए हर सम्भव बदलाव लाएंगे ।इस अवसर पर एन एस एस इकाई 1 की कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ अवर्णा रॉय, इकाई 3 कार्यक्रम पदाधिकारी सह दुमका नोडल पदाधिकारी डॉ रूपम कुमारी, इकाई 4 कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ प्रशांत पातर, इकाई 5 की कार्यक्रम पदाधिकारी प्रोफेसर आशीष मंडल उपस्थित रहें इसके साथ ही एन एस एस वालंटियर्स,महाविद्यालय कर्मी, श्यामल घोष, सुबोध मन्ना, शांति मंडल, उत्तम घोष, मधु, बिमल मंडल, परमेसर बेसरा, चन्दना हाज़रा, आदि ने कार्यक्रम में सहयोग किया ।इसके साथ ही इकाई 3 कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ रूपम कुमारी तथा इकाई 4 कार्यक्रम पदाधिकारी प्रोफेसर आशीष मंडल ने थीम के तहत रानीश्वर बाजार में लोगो के बीच शपथ ग्रहण कराया ।साथ ही एन एस एस वालंटियर्स ने बाजार के लोगो में एक जागरूकता अभियान कराया ।हमें पेड़ पौधे को अपने घर आसपास क्षेत्र में लगा कर वातावरण को स्वच्छ बनाना हैं, बाजार के लोगो को भी डॉ रूपम कुमारी ने शपथ दिलाया।हमे अपने पर्यावरण को बचाना हैं इसके साथ ही इकाई 5 कार्यक्रम पदाधिकारी प्रोफेसर आशीष मंडल ने अपने एन एस एस वालंटियर्स में पौधा रोपण के प्रति जागरूकता अभियान किया, इस कार्यक्रम में एन एस एस वालंटियर्स अद्दता रॉय, देवलीना बनर्जी, रजनी पाल, बिप्लव पाल, कोयल गोराई आदि ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिला जज के द्वारा न्यायालय परिसर में किया गया वृक्षारोपण

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। झालसा, रांची के निर्देशानुसार विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार मिश्रा के द्वारा न्यायालय परिसर में रुद्राक्ष के वृक्ष को लगाकर किया गया वृक्षारोपण। मौके पर प्राधिकार के अध्यक्ष ने कहा कि जीवन को बेहतर और अधिक प्राकृतिक बनाने के लिए पूरे विश्व भर में पर्यावरण में कुछ सकारात्मक बदलाव लाने के लिए विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है, हमारे पर्यावरण की स्थिति प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग के कारण दिन प्रतिदिन गिरती जा रही है बेहतर भविष्य के लिए पर्यावरण की सुरक्षा अत्यंत जरूरी है उन्होंने आगे बताया कि जीवन के लिए हमारे पास एक मात्र यही ग्रह है, यह हमारा ग्रह है और हम सभी इसकी प्राकृतिक सुंदरता को सदैव के लिए बनाए रखने के लिए जिम्मेदार हैं। उक्त अवसर पर प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत के साथ व्यवहार न्यायालय के सभी न्यायिक दंडाधिकारी उपस्थित थे।

पांच दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम का आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। जन शिक्षण संस्थान विकास भारती दुमका में राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से 5 जून से 9 जून तक पांच दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है. यह कार्यक्रम उद्यमिता के विकास और कौशल को बढ़ावा देने के साथ विभिन्न क्षेत्रों में नए उद्यमियों को प्रेरित करने. जिनमें सृजनात्मकता, वैज्ञानिक मानसिकता, प्रौद्योगिकी और वित्तीय संप्रबंधन के दम पर नई पहचान बनाने की क्षमता विकसित हो सके के उद्देश्य से चलाया जा रहा है. जिसमें कार्यक्रम के पहले दिन 5 जून को उद्यमशीलता, उद्यमशीलता प्रेरणा, रोजगार और जीवन कौशल के बारे में जानकारी दिया गया. सर्वप्रथम कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ मनोज कुमार घोष सचिव चेंबर ऑफ कॉमर्स के द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया. तत्पश्चात कार्यक्रम में भुवन चन्द्र तिवारी कार्यक्रम समन्वयक हरि मोहन , सूरज पहाड़िया ,रामचंद्र सिंह प्रशिक्षण एवं युवा विकास विशेषज्ञ, किशोर सिंह सफल उद्यमी सामाजिक कार्यकर्ता, राजेश कुमार सामाजिक कार्यकर्ता, जन शिक्षण संस्थान विकास भारती दुमका के प्रभारी निदेशक श अन्नू के द्वारा सफल उद्यमी बनने के कई सारे पहलुओं को बताया गया. इसी बीच विश्व पर्यावरण दिवस के शुभ अवसर पर पौधरोपण कार्यक्रम चलाया गया एवं कई सारे पौधे लगाए गए एवं पर्यावरण को सुरक्षित रखने का संकल्प लिया गया. इसी कड़ी में के कार्यक्रम समन्वयक भुवन चन्द्र तिवारी ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस हमारी अद्यतन पीढ़ी को यह संदेश देना चाहती है कि हम सभी अपने प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा कर सकें और एक स्वच्छ और हरा-भरा वातावरण उत्पन्न कर सकें. इसके लिए हम सभी को मिलकर लोगों को जागरूक करने का प्रयास करना चाहिए और इस प्रयास में सहयोग भी करना चाहिए ताकि हमारे आने वाली पीढ़ियों को स्वस्थ और सुरक्षित भूमि मिल सके. इसी बीच प्रशिक्षण एवं युवा विकास विशेषज्ञ रामचंद्र सिंह ने बताया कि सफल उद्यमी बनने के लिए अपने इच्छा के हुनर को हमेशा तरास्ते रहना चाहिए और बाजार मांग के अनुसार नए-नए नवाचार सीखते रहना चाहिए. इस कार्यक्रम को सफल बनाने में जन शिक्षण संस्थान विकास भारती दुमका के प्रभारी निदेशक श्रीमती अन्नू, कार्यक्रम पदाधिकारी दीपक कुमार सिंह, भुवन चन्द्र तिवारी कार्यक्रम समन्वयक, सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी (आजीविक) दर्शन हेंब्रम, अकाउंटेंट प्रदीप कुमार शर्मा, एमआईएस श्रीराम कुशवाहा, मोबिलाइजर आनंद कुमार एवं सविता किस्कू, राजकुमार हेंब्रम, रोहित कुमार केशरी, सुलेखा देवी, ममता कुमारी, चंदा देवी, रूबी देवी,भवानी देवी, एस्थर सोरेन, संगीता कुमारी शोभा कुमारी, रेखा कुमारी, निखत परवीन, नाजिया खातून, सुषमा मरांडी, खुशबू कुमारी, बबली खातून, बंदना दत्ता के साथ सैकड़ों किशोरियों एवं महिलाओं ने अहम भूमिका निभाई.

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर क्लब द्वारा चित्रांकन एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। लायंस क्लब दुमका संताल परगना एवं सिदो कान्हु उच्च विद्यालय दुमका के संयुक्त तत्वावधान में डंगालपाड़ा स्थित लायंस सेवा सदन में चित्रांकन एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मुख्य अथिति क्षेत्रीय पर्यावरण पदाधिकारी कमल कान्त पाठक ने संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी जानते हैं की पर्यावरण हमारे जीवन के लिए एक अहम घटक है बेहतरीन जीवन यापन के लिए हमें पर्यावरण का संरक्षण करना बेहद जरूरी है। और उन्होंने कहा विकास होना चाहिए लेकिन विनाश की शर्तो पर नहीं। क्लब के अध्यक्ष लायन डॉक्टर पवन केसरी ने कहा आदर्श नागरिक होने के नाते हम सब का पहला कर्तव्य कि हम पर्यावरण के महत्व को समझें और उन्हें दूषित और नष्ट होने से बचाएं। क्लब के वरिष्ठ सदस्य लायन प्रदीप्तो मुखर्जी ने कहा पर्यावरण की स्थिति में सुधार के लिए सरकार और अंतरराष्ट्रीय संगठनों को समस्याओं से लड़ने और हमे पर्यावरण को बचाने के लिए एक साथ आना चाहिए अधिक से अधिक पेड़ लगाने से पर्यावरण के बचाने में मदद मिल सकती है। इस बीच क्लब द्वारा पेंटिंग प्रदर्शनी एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं एवं लोगो को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। इसमें लगभग 35 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कृष्णादीप केसरी, द्वितीय स्नेहा शर्मा, तृतीय समर फातमा एवं सांत्वना पुरस्कार इशा मुखर्जी को दिया गया। वहीं भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्वाति राज, द्वितीय इशा मुखर्जी, तृतीय परिधि कोटरीवाल एवं सांत्वना पुरस्कार सौरभ कुमार को दिया गया। मौके पे लायन डॉ.पवन केशरी, लायन डॉ. मनोज कुमार घोष, लायन अखिलेश कुमार सिन्हा, लायन डाक्टर शमीम अंसारी, लायन प्रदिप्तो मुखर्जी, लायन संदीप पटवारी, लायन चंदन कुमार साह, लायन निरज कोठरीवाल, लायन सतीश कुमार, लायन सदाशिव गुप्ता, स्कूल के शिक्षक राजेश कुमार राय ,सहित कई शिक्षक काफी संख्या मे बच्चे के अलावे क्लब के अन्य सदस्य मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

रवीन्द्र भवन टाउन हॉल में चल रहे सौंदर्यीकरण के कार्यों का निरीक्षण किया गया

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) , पाकुड़। डीसी ने नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत रवीन्द्र भवन टाउन हॉल में चल रहे सौंदर्यीकरण के कार्यों का निरीक्षण किया गया. निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त के द्वारा स्टेज एरिया, ग्रीन रूम, ओपन एरिया, कॉन्फ्रेंस रूम आदि में अब तक हुए कार्यों का जायजा लिया गया। इस दौरान उपायुक्त ने टाउन हॉल में कार्यक्रमों के आयोजन हेतु लगाए जाने वाले उपकरणों को जल्द लगाने व गुणवत्ता कार्य पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। वहीं उन्होंने टाउन हॉल भवन में पेयजल, शौचालय सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इस दौरान उपायुक्त ने निर्माण कार्य को ससमय पूरा करते हुए टाउन हॉल भवन को कार्यक्रमों के लिए तैयार करने का निर्देश मौके पर मौजूद प्रशासक, नगर परिषद पाकुड़ को दिया। इसके पश्चात उपायुक्त ने नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न भवनों का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कहा कि जिला में कुछ महत्वपूर्ण परियोजना को लाना है उसके लिए हमारे पास उपलब्ध जो भवने हैं। कुछ भवन बनकर रेडी है, पर भवन उपयोग नहीं हो रहे हैं। वैसे भवनों में नए परियोजना का शुरुआत किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने मार्केटिंग कंपलेक्स, आईटीडीए भवन, राज प्लस टू विद्यालय में खेल मैदान का भी जायजा लिया। साथ ही इस दौरान संबंधित अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिया। मौके पर डीआरडीए निदेशक -सह-जिला आपूर्ति पदाधिकारी संजय कुमार दास, जिला स्थापना उप समाहर्ता विकास कुमार त्रिवेदी, कार्यपालक दंडाधिकारी आशुतोष, जिला शिक्षा अधीक्षक मुकुल राज, नगर परिषद पाकुड़ के प्रशासक कोशलेश कुमार यादव, सिटी मैनेजर समेत अन्य उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हिरणपुर थाना परिसर में किया गया वृक्षारोपण

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि), हिरणपुर(पाकुड़)। सोमवार को विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम के तहत हिरणपुर थाना परिसर मैं वन विभाग के कर्मियों के द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम में मुख्य रूप से थाना प्रभारी सुनील कुमार रवि उपस्थित थे। वृक्षारोपण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए थाना प्रभारी सुनील कुमार रवि बताया कि पृथ्वी ही एकमात्र ऐसा ग्रह है जहां सभी जीव जंतु और मनुष्य रह सकते हैं। इसलिए यहां के बतावरण को अनुकूल बनाए रखना हम सभी मनुष्य का कर्तव्य बनता है। पर्यावरण से ही जीवित रहना संभव है पर्यावरण की सहायता से हमें शुद्ध हवा पानी और भोजन प्राप्त होता है। इसलिए प्रत्येक मनुष्य का कर्तव्य बनता है कि ज्यादा से ज्यादा वृक्ष रोपण कर पर्यावरण को अनुकूल बनाकर रखना है मौके पर वन कर्मी नीलू निक्कूदुमस किसकु,स्टेफन हेमरम, अनुपम कुमार याजव और दैनिक मजदूर भी शामिल थे।

माप तौल विभाग की कार्रवाई, 3 धर्मकांटा के डीजीटायजर जब्त, 7 धर्मकांटा मिले बंद

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका । शिकारीपाड़ा में सोमवार को तीन धर्मकांटा का डीजीटायजर जब्त कर किया गया। यह कार्रवाई माप तौल विभाग ने की। सोमवार को शिकारीपाड़ा प्रखंड के पत्थर औद्योगिक क्षेत्र में स्थित धर्म कांटा की जांच को लेकर माप तौल विभाग के इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार के नेतृत्व में टीम द्वारा जांच अभियान चलाया गया। जांच अभियान के दौरान क्षेत्र के धर्म कांटा के मालिकों के बीच हड़कंप सी मच गयी। क्षेत्र के अधिकांश धर्मकांटा बंद पाया गया। इस दौरान पांच धर्मकांटा का निरीक्षण किया गया जिसमें अपर्याप्त कागजात के कारण सरसडंगाल में श्रीगणपति धर्मकांटा, जय मां तारा स्टोन प्रोडक्ट धर्मकांटा व कौआमहल में मेसर्स भोला बाबा धर्मकांटा से डीजीटाईजर जब्त किया गया। माप तौल विभाग के इंस्पेक्टर कुमार ने बताया कि एसडीओ के आदेश पर शिकारीपाड़ा के पत्थर औद्योगिक क्षेत्र में स्थित धर्मकांटा का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान सरसडंगाल में मां दुर्गा धर्मकांटा व जय मां तारा स्टोन प्रोडक्ट धर्मकांटा की कागजात सही पाया गया। अपर्याप्त कागजात आदि को लेकर सरसडंगाल में श्री गणपति धर्मकांटा, जय मां तारा स्टोन प्रोडक्ट धर्मकांटा (दूसरी) व कौआमहल में मेसर्स भोला बाबा धर्मकांटा से डीजीटाईजर जब्त किया गया है। अभियान के दौरान इस क्षेत्र में स्थित अन्य सात धर्मकांटा बंद पाया गया।

कहा कि इस संबंध में जांच रिपोर्ट अनुमंडल कार्यालय को भेजी जा रही है। टीम में माप तौल विभाग के इंस्पेक्टर के अलावा सीओ राजू कमल, माप तौल विभाग के कर्मिगण तथा एसआई मनोज करमाली शामिल थे।

टॉक टू डीसी कार्यक्रम के दौरान ऑन द स्पॉट विभिन्न समस्याओं का किया त्वरित समाधान

जिले में पेयजल से जुड़ी समस्याओं का 72 घंटे में करें निदान अन्यथा होगी कड़ी कार्रवाई

सामाजिक सुरक्षा के तहत बुजूर्ग, विधवा, परित्यक्त, दिब्यांग लाभुकों को प्राथमिकता के आधार पर करें लाभान्वित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

देवघर। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री के निर्देशानुसार अपर समाहर्ता श्री चन्द्र भूषण प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार से टॉक टू डीसी ऑनलाईन कार्यक्रम का आयोजन किया।इस दौरान जिले के सभी दस प्रखण्ड से सीएससी केंद्रों के माध्यम से जिले के विभिन्न पंचायत के लोगों के अलावा कलस्टर लेवल फेडरेशन और विलेज ऑर्गेनाईजेशन के माध्यम से आमजनों ने ऑनलाईन मुलाकात कर अपनी समस्याओं से अवगत कराया। इस दौरान अपर समाहर्ता चन्द्र भूषण प्रसाद सिंह ने पूर्व के टॉक टू डीसी कार्यक्रम में दिये गये निर्देशों के अनुपालन की बिन्दुआर समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निदेशित किया कि उपायुक्त के निर्देशानुसार प्राथमिकता के आधार पर कार्यक्रम में आने वाले फरियादियों से जुड़ी शिकायतों का ससमय निराकरण करें, अगर समस्याओं को निराकरण तय समय अनुरूप नहीं हो पाता है तो संबंधित अधिकारी पर भी कार्रवाई की जायेगी। आगे कार्यक्रम के दौरान राशन व पेंशन से जुड़े मामलों में त्रूटि का ऑन द स्पॉट निराकरण करते हुए लाभुकों को योजना के लाभ से लाभान्वित किया गया। साथ ही कार्यक्रम के दौरान देवघर के वार्ड नंबर 5 से आवेदक द्वारा जानकारी दी गयी कि सांप काटने की वजह से उनके परिजन की मृत्यु हुई थी मगर मुआवजा लेने हेतु पोस्टमार्टम रिपोर्ट भी मांगा जा रहा है, जो कि परिजनों के पास नहीं है। ऐसे में मामले को संज्ञान में लेते हुए अपर समाहर्ता द्वारा जानकारी देते हुए कहा गया कि उक्त मामले में नियमानुसार आवशयक कार्रवाई हेतु संबंधित अधिकारियों को आवशयक दिशा-निर्देश दिया गया है। कार्यक्रम के दौरान मोहनपुर प्रखण्ड के भिखना पंचायत अन्तर्गत बिजली के जर्जर तारों से जानमाल की क्षति की बात ग्रामीणों द्वारा कही गयी, जिसपर मामले को संज्ञान में लेते हुए विद्युत विभाग के अधिकारियों द्वारा जानकारी दी गयी कि बिजली के जर्जर तारों व आवशयक उपकरणों का प्राक्कलन स्वीकृत हो गया है, जिसे जल्द ही बिजली के तारों व आवशयक उपकरणों को बदल दिया जायेगा।आगे कार्यक्रम के दौरान मोहनपुर प्रखण्ड के बांक पंचायत के आवेदक द्वारा जानकारी दी गयी कि ग्रेन गोला बैंक में राशि जमा कराने के पश्चात अवधि पूर्ण होने के बाद भी आज भी पैसे वापस नहीं दिया जा रहा है। जिसपर मामले को संज्ञान में लेते हुए अपर समाहर्ता ने को-ऑपरेटिव विभाग के अधिकारियों को कड़े शब्दों में निदेशित करते हुए कहा कि अगल सात दिनों के अंदर मामले की जांच रिपोर्ट उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करते हुए समस्या का समाधान कर अवगत करायें। इसके अलावे कार्यक्रम के दौरान सारवां प्रखण्ड के डकाय पंचायत के आवेदक द्वारा जानकारी दी गयी कि प्रधानमंत्री आवास योजना उनके नाम पर स्वीकृत है मगर राशि दूसरे व्यक्ति के खाते में भेज दी गयी है। जिसपर मामले को संज्ञान में लेते हुए अपर समाहर्ता ने संबंधित प्रखण्ड के प्रखण्ड विकास पदाधिकारी को नियमानुसार कार्रवाई करते हुए योजना से जुड़ी राशि लाभुक के खाते में हस्तांतरित करने का निदेश दिया। आगे कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रखण्डों से मुख्यमंत्री सुखाड़ राहत योजना से जुड़े शिकायत पर संज्ञान लेते हुए अपर समाहर्ता द्वारा जानकारी दी गयी कि भूमिहीन एवं कैटेगरी बी के कृषकों का सत्यापन कार्य चल रहा है, जिसे पूरा करते हुए बैंकों को भेजा जायेगा, जिसके पश्चात कृषकों को सुखाड़ राहत योजना की राशि भेजी जायेगी। वर्तमान में कैटेगरी ए के कृषकों का सत्यापन हुआ है एवं सुखाड़ राहत योजना की राशि उन्हें भेजी जा रही है। साथ ही उपायुक्त ने सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी के माध्यम से सभी प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी को निदेशित किया गया कि अपने-अपने प्रखण्डों में लाभुकों की सूची सत्यापित कराते हुए जल्द से जल्द समर्पित करें, ताकि लाभुकों के खाते में किस्त की राशि भेजी जा सके। आगे अपर समाहर्ता द्वारा जानकारी दी गयी कि इस महीने से प्रधानमंत्री किसान सम्मानिधि योजना से जुड़ी किस्त की राशि लाभुकों के खाते में भेजी जाएगी। आगे कार्यक्रम के दौरान सोनारायठाड़ी प्रखण्ड के लाभुक द्वारा जानकारी दी गयी कुसुमथर पंचायत में रोड पर अतिक्रमण के अलावा सरकारी चापाकल में कुछ व्यक्ति विशेष लोगों द्वारा मोटर लगा दिया गया है जिसपर मामले को संज्ञान में लेते हुए अपर समाहर्ता ने संबंधित प्रखण्ड विकास पदाधिकारी को आवशयक जांच करते हुए ऐसा करने वालों पर कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। आगे कार्यक्रम के दौरान सोनारायठाड़ी प्रखण्ड के ब्रम्होतरा पंचायत के आवेदक द्वारा जानकारी दी गयी कि जल नल योजना के तहत किये जा रहे कार्यों में नल का कनेक्शन पुराने चापाकलों या जलमीनारों से दिया जा रहा है, जिसके कारण की चापाकल खराब हो जा रहे हैं और पेयजल की समस्या गांव में उत्पन्न हो गयी है। ऐसे में मामले को संज्ञान में लेते हुए अपर समाहर्ता ने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के अधिकारियों को आवशयक जांच करते हुए उपायुक्त कार्यालय को अवगत कराने का निदेश दिया।

टॉक टू डीसी कार्यक्रम के विभिन्न प्रखण्डों से पेयजल की समस्या को संज्ञान में अपर समाहर्ता ने बंद पड़े चापाकलों व जलमीनारों को दुरूस्त करने का निदेश पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के अधिकारियों को दिया। आगे कार्यक्रम के दौरान सारठ प्रखण्ड के आवेदक द्वारा जानकारी दी गयी कि बसहा पंचायत अन्तर्गत नकटी मौजा में मेरा जमीन है जो कि चितरा-बासुकीनाथ रेललाईन में जमीन अधिग्रहण किया गया है। मगर अब तक मुआवजा की राशि नहीं मिला है। जिसपर मामले को संज्ञान में लेते हुए अपर समाहर्ता ने संबंधित अधिकारियों को आवशयक व उचित दिशा-निर्देश दिया गया। आगे सारठ प्रखण्ड अन्तर्गत सिमला पंचायत के आवेदक द्वारा जानकारी दी गयी कि एक साल पूर्व कुंआ का निर्माण कराया गया था मगर राशि का भुगतान अब नहीं किया गया है। जिसपर मामले को संज्ञान में लेते हुए अपर समाहर्ता ने संबंधित प्रखण्ड विकास पदाधिकारी को जांच करते हुए आवशयक भुगतान करने का निदेश दिया। इसके अलावा सारठ प्रखण्ड के कैराबांक पंचायत के आवेदक द्वारा जानकारी दी गयी कि ऊर्जा मित्र के रूप में बहाली हेतु कोटा रहने के बावजूद अनियमितता के साथ सामान्य वर्ग के व्यक्ति को ऊर्जा मित्र के रूप में बहाल कर लिया। ऐसे में मामले को संज्ञान में लेते हुए अपर समाहर्ता ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवशयक जांच कर उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करने का निदेश दिया। आगे कार्यक्रम के दौरान मधुपुर प्रखण्ड के सीएलएफ के दीदियों द्वारा जानकारी दी गयी कि साप्तर पंचायत अन्तर्गत इंडियन बैंक में मंजू आजीविका संगठन का खाता नहीं खोला जा रहा है। जिसपर मामले को संज्ञान में लेते हुए अपर समाहर्ता ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निदेशित करते हुए कहा कि दीदियों के समस्याओं का निराकरण करते हुए उपायुक्त कार्यालय को तय समयानुसार अवगत करायें। आगे कार्यक्रम के दौरान मधुपुर प्रखण्ड के पंजीयारा गांव आवेदक द्वारा जानकारी दी कि कई महिनों से चक्कर लगाने के बावजूद भी सुकन्या समृद्धि योजना का लाभ उन्हें नहीं मिल पा रहा है। जिसपर मामले को संज्ञान में लेते हुए अपर समाहर्ता ने संबंधित प्रखण्ड विकास पदाधिकारी को योजना स्वीकृत कराते हुए एक हफ्ते के अंदर लाभान्वित कराने का निदेश दिया।

कार्यक्रम के दौरान मारगोमुण्डा प्रखण्ड अन्तर्गत दिब्यांग बच्चे दिब्यांग प्रमाण पत्र न रहने से जुड़े मामले को संज्ञान में लेते हुए संबंधित प्रखण्ड विकास पदाधिकारी व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को उक्त युवक को महीने के 21 तारीख को सदर अस्पताल में लगने वाले दिब्यांग कैम्प के माध्यम से प्रमाण पत्र निर्गत कराने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि जिला स्तर पर प्रत्येक माह के 21 तारीख को सदर अस्पताल के परिसर में दिव्यांगजनों के सुविधा हेतु विशेष कैम्प का आयोजन किया जाता है, जहां दिव्यांग प्रमाण पत्र हेतु आवेदन व प्रमाण पत्र प्राप्त किया जा सकता है। ऐसे में आवशयक है कि इस जानकारी को ज्यादा से ज्यादा लोगों के बीच प्रसारित करें, ताकि इस विशेष का लाभ जिले के दिव्यांगजन प्राप्त कर सके।

इस दौरान उपरोक्त के अलावे जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी रवि कुमार,कार्यपालक दण्डाधिकारी सुश्री सुप्रिया भगत, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी प्रमोद कुमार,जिले के सभी प्रखण्डों के प्रखण्ड विकास पदाधिकारी व अंचलाधिकारी, डीपीएम जेएसएलपीएस, सीएससी मैनेजर सत्यम कुमार, सहायक जनसम्पर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी एवं जिला समाज कल्याण विभाग, नगर निगम, आपूर्ति, मनरेगा, कृषि, पीएम आवास, बैंक, थाना व संबंधित विभाग के अधिकारी कर्मी आदि उपस्थित थे।

झारखंड राज्य जनसेवक संघ जिला इकाई देवघर, के द्वारा न्याय यात्रा निकली गई

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

देवघर । जनसेवकों का ग्रेड पे कम करने के विरोध में और अपने 11 सूत्री मांगो के समर्थन में जनसेवकों के अनिश्चितकालीन हड़ताल के 28 वे दिन झारखंड राज्य जनसेवक संघ के जिला इकाई देवघर द्वारा न्याय यात्रा निकाली गई।इस न्याय यात्रा में देवघर जिला के सभी जनसेवकों के साथ - साथ विभिन्न संवर्गो तथा अन्य संघों/संघटनो एवं महासंघों के सदस्य भी शामिल हुए। यह न्याय यात्रा गांधी प्रतिमा स्थल से आरंभ होकर पटेल चौक, टावर चौक, राय एंड कंपनी चौक, वीर कुंवर सिंह चौक होते हुए अंबेडकर चौक तक पहुंची। यात्रा के दौरान मार्ग में पड़ने वाले देश के महान विभूतियों महात्मा गांधी,सरदार वल्लभ भाई पटेल,वीर कुंवर सिंह तथा बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर की प्रतिमा स्थल पर जनसेवकों तथा विभिन्न संघों/संघटनों के द्वार पुष्प माला अर्पित किया गया।

न्याय यात्रा में ठटडढर के जिला संयोजक श्री आलोक कुमार, झारखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ जिला इकाई देवघर के अध्यक्ष श्री बसंत ठाकुर, झारखंड राज्य पंचायत सेवक संघ के राज्याध्यक्ष श्री प्रहलाद राय, झारखंड राज्य ग्राम रोजगार संघ जिला इकाई देवघर के अध्यक्ष श्री सत्य कुमार, देवघर प्रखंड के मुखिया संघ के अध्यक्ष श्री सुशील देव, देवीपुर प्रखंड के रामुडीह पंचायत के मुखिया श्री रामफल तुरी,रामूडीह पंचायत के उप मुखिया प्रतिनिधि श्री युगल किशोर, भोजपुर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि श्री कुंदन चौधरी, भोजपुर पंचायत के पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि श्री जवाहर मिर्धा के साथ साथ अन्य संघों/संगठनो के सदस्य सम्मिलित हुए।

उपस्थित सभी सदस्यों ने जानसेवकों का ग्रेड पे कम करने के आदेश को ₹ काला आदेश₹ घोषित करते हुए इसे अविलंब रद्द करने का अपील किया।उन्होंने स्पष्ट कहा की कृषि निदेशक द्वारा जनसेवको का ग्रेड पे कम करने संबंधी निर्गत आदेश अन्यायपूर्ण है,न्याय यात्रा के माध्यम से इस ₹अन्याय पत्र₹ को वापस लेना सरकार के लिए बाध्यकारी हो जायेगा।झारखंड राज्य जनसेवक संघ के जिला इकाई देवघर के अध्यक्ष श्री धर्मेंद्र देव द्वारा कहा गया की सरकार ग्रेड पे कम करने संबंधी आदेश को जल्द से जल्द वापस ले तथा हमारे 11 सूत्री मांगो को पूरा करे ,अन्यथा बाध्य होकर जनसेवकों के आंदोलन को उग्र रूप दिया जाएगा।

इस मौके पर झारखंड राज्य जनसेवक संघ के संथाल परगना प्रमंडल के प्रमंडलीय अध्यक्ष श्री सुशील झा, विनय ठाकुर, सत्य प्रकाश, व्यास देव ,आशीष रंजन, सुबोध कुमार, राजेश झा,साहिल राज, जॉन हेंब्रम, अजीत मरांडी, गौतम मेहरा, सुशील शेखर, आशीष कुमार, भूषण मंडल,प्रेम मुर्मू, मनीष कुमार सिंह, संजीत कुमार, टुनटुन गुप्ता, सोनल, रोशनी ऋतु मुर्मू, रश्मि भारती, संजू, बेबी के साथ साथ देवघर जिला के सभी जनसेवक न्याय यात्रा में शामिल थे।

आजसू पार्टी देवघर जिला कमेटी द्वारा मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

देवघर। आज दिनांक 5 जून 2023 को आजसू पार्टी देवघर जिला कमेटी द्वारा आजसू पार्टी बैजनाथपुर कार्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर 25 फलदार वृक्ष जिला अध्यक्ष आदर्श लक्षय द्वारा केंद्रीय सचिव राजा साहनी की मौजूदगी में लगाया गया` मौके पर आजसू पार्टी देवघर जिला अध्यक्ष आदर्श लक्षय द्वारा कहा गया कि पर्यावरण के किसी भी मानक पर देवघर तथा झारखंड की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है` देवघर जिला के जसीडीह इंडस्ट्रियल एरिया, बैजनाथपुर राइस मिल एरिया, चितरा कोल माइंस एरिया मे प्रदूषण बहुत अधिक मात्रा में फैला हुआ है` वही देवघर जिले की कई नदियां प्रदूषित होकर नालियां बन गई है` दढ़वा नदी में पानी से ज्यादा नाली का पानी आता है` शिवगंगा पूरी तरह दूषित हो चुका है` पर्याप्त उपकरण और संसाधन राज्य एवं केंद्र सरकार से उपलब्ध कराने के बाद भी शिवगंगा गंदा ही रह गई` अजय नदी में ऑक्सीजन खत्म हो चुका है` उद्योगों का कचरा नदियों में गिरने से नदी पूरी तरह दूषित हो चुका है` देवघर जिले से गुजरने वाली नदियों में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट नहीं होने के कारण घरों का कचरा नदियों में गिराया जाता है` देवघर जिले में जंगल तो बढ़ रहे हैं, लेकिन घने जंगल घट रहे हैं` इसरो की रिपोर्ट में जिक्र है कि यहां की जमीन बंजर होती जा रही है` इसके बावजूद यहां पर्यावरण को प्रदूषित होने से रोकने के लिए ठोस प्रयास नहीं हो रहे हैं` पर्यावरण संरक्षण के लिए जो पैसा मिल रहा है, वह भी खर्च नहीं हो पा रहा है` अब तक देवघर जिले का क्लाइमेट एक्शन प्लान भी नहीं बन पाया है` केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड बार-बार देवघर जिले में प्रदूषण का स्तर जानने के लिए उपकरण लगाने को कह रहा है` इसके बावजूद राज्य सरकार पर्यावरण के मामले में चुप्पी साधी हुई है` आजसू पार्टी देवघर जिला कमेटी यह संकल्प लेती है कि वह पर्यावरण को बचाने के लिए हर मानक को बढ़ावा देते हुए शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में प्रदूषण को साफ रखने के तरीकों का प्रचार-प्रसार करेगी तथा जनहित में सभी लोगों की भविष्य को देखते हुए जनता से अपील करेगी की पर्यावरण को दूषित किए बिना पर्यावरण को बचाने के हर मानक पर सभी लोग खड़ा उतर पाए` आज उक्त कार्यक्रम में उपस्थित थे जिला सचिव अविनाश कुमार वार्ड 27 अध्यक्ष कामदेव राय आजसू पार्टी कार्यालय प्रभारी लक्ष्मण यादव इत्यादि

प्रतिभा का सम्मान: उपायुक्त ने यूपीएससी में चयनित मनीष भारद्वाज, पर्वतारोही अस्मिता दोरजी, खेल प्रशिक्षक हसन इमाम मलिक व बोर्ड परीक्षा में सफल सबर बच्ची दामिनी को किया सम्मानित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

जमशेदपुर । उपायुक्त श्रीमती विजया जाधव ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने वाले 4 व्यक्तियों को सम्मानित किया तथा उनके असाधारण उपलब्धि की भूरी भूरी प्रशंसा की। इस मौके पर उन्होने सभी को पर्यावरण दिवस की शुभकामनायें देते हुए भेंट स्वरूप पौधा दिया तथा अंगवस्त्र औढ़ाकर सम्मानित भी किया। यूपीएससी में 114वीं रैक लाने वाले जमशेदपुर के बारीडीह निवासी श्री मनीष भारद्वाज, जो वर्तमान में बिहार के बेगुसराय में एलआरडीसी के पद पर कार्यरत हैं उन्हें सम्मानित करते हुए कहा कि निश्चित ही आपकी यह उपलब्धि जिले व शहरवासियों के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं । श्री भारद्वाज ने जमशेदपुर से ही 10 और 12 वीं की शिक्षा पूरी करने के बाद बेंगलुरू से इंजीनियरिंग किया । पूर्व में भारतीय रेल में भी कॉमर्शियल इंस्पेक्टर के पद पर अपनी सेवायें दे चुके हैं । वर्ष 2019 में बिहार लोक सेवा आयोग में चयनित होने के बाद बेगुसराय में कार्यरत हैं । 23 मई 2023 को माऊंट एवरेस्ट फतह करने वाली पर्वतारोही अस्मिता दोरजी वर्तमान में टाटा स्टील एडवेंचर फाउंडेशन (TSAF) में सीनियर इंस्ट्रक्टर के पद पर हैं। अस्मिता का जन्म नेपाल के एवरेस्ट क्षेत्र में स्थित थेसू गांव में एक शेरपा परिवार में हुआ। उनके पिता, एक शेरपा पर्वतारोही, ने 1984 में सुश्री बछेंद्री पाल के साथ माउंट एवरेस्ट पर चढ़कर एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की थी जिनके नक्शे कदम पर चलते हुए बेटी ने भी कीर्तिमान रचने का काम किया ।

डॉ. हसन इमाम मलिक वर्तमान में असिस्टेंट मैनेजर हेल्थ एंड वेलनेस, टाटा स्टील में कार्यरत हैं। खेल के क्षेत्र में इनकी उपलब्धि उल्लेखनीय है । श्री हसन हैंडबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के तकनीकी समिति के सदस्य हैं तथा झारखंड पुरुष हैंडबॉल टीम के मुख्य कोच भी हैं । जुलाई 2022 में बहरीन में आयोजित 17वीं एशियाई पुरुष जूनियर हैंडबॉल चैंपियनशिप में मुख्य कोच की भूमिका निभाई । प्रबंधक सह कोच रजत पदक विजेता पुरुषों की हैंडबॉल टीम, ताशकंद उज्बेकिस्तान 2018।

चाकुलिया की रहने वाली दामिनी सबर ने विषम परिस्थितियों में जिस जीवटता के साथ अपनी पढ़ाई जारी रखी वो काबिलेतारीफ हैं । दामिनी में 10वीं की बोर्ड परीक्षा में 67 फीसदी अंक हासिल कर सबर जनजाति के बच्चों को पढ़ने की नई दिशा दी है। उपायुक्त ने दामिनी की उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि सबर बच्चों के रोल मॉडल बन गई है। पूरे जिला प्रशासन को दामिनी की इस उपलब्धि पर गर्व है ।

इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि आगामी 10 जून को इन सभी प्रतिभाओं से जिले के बच्चे मुखातिब होंगे। जहां वे इनके जीवन संघर्ष, उपलब्धि तथा कैरियर को कैसे सही दिशा दिया जाए इसपर कैरियर काउंसिलिंग सेशन रविन्द्र भवन में आयोजित किया जाएगा।

झारखंड और आदिवासियों का वृक्षों से है विशिष्ट संबंध : सीपी राधाकृष्णन

रांची

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राज्यपाल ने राज भवन में किया पौधरोपण

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि सभी को पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझना चाहिए। पर्यावरण दिवस पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जागरूकता और प्रतिबद्धता को व्यक्त करने का अवसर है। राज्यपाल ने कहा कि झारखंड राज्य का वृक्षों से विशिष्ट संबंध रहा है। यहां हर्षोल्लास के साथ सरहुल पर्व मनाया जाता है, जिसमें वृक्ष की पूजा की जाती है। उन्होंने एनएसएस के स्वयंसेवकों से कहा कि आज आप सभी विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधरोपण करें एवं उसके संवर्द्धन की दिशा में ध्यान दें। उन्होंने एनएसएस के स्वयंसेवकों से कहा कि आप लोग ग्रामों में भी जाकर कार्यक्रम का आयोजन करें तथा ग्रामीणों से संवाद करें। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रत्येक व्यक्ति को महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करना है। लोगों को स्वयं के साथ अन्य को भी पर्यावरण के महत्व के संदर्भ में अवगत कराना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोग प्लास्टिक का उपयोग कर रहे हैं, उसे कहीं भी फेंक देते हैं, नदियां प्रदूषित हो रही हैं। उन्होंने लोगों से प्लास्टिक को अपने व्यवहार में न अपनाने की अपील की। साथ ही स्वच्छता की दिशा में ध्यान देने के लिए कहा।

राज्यपाल सोमवार को ह्यविश्व पर्यावरण दिवसह्न के अवसर पर राज भवन में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रधान सचिव डॉ नितिन कुलकर्णी, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ० ओ०एन० सिंह सहित बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के अधिकारी एवं एनएसएस के स्वयंसेवक उपस्थित थे।

इस अवसर पर एनएसएस के स्वयंसेवक दिवाकर आनन्द, फलक फातिमा एवं आस्था दीप ने राज्यपाल के समक्ष विचार प्रकट करते हुए पौधरोपण के संदर्भ में अपने अनुभव प्रकट किए। राज्यपाल ने राज भवन में पौधरोपण के क्षेत्र में अच्छे कार्य करने वाले और विचार प्रकट करने वाले एनएसएस के स्वयंसेवकों को सम्मानित किया। इससे पूर्व विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राज्यपाल ने राज भवन में पौधरोपण किया। राज भवन में सोमवार को कुल 50 से अधिक पौधे लगाये गए।

पंडरा स्थित आईबीपी इंटरप्राइजेज में चोर ने दिया वारदात को अंजाम

रांची

राजधानी रांची में चोरों का आतंक, खुले बदन और चेहरा ढंककर पंडरा के आईबीपी में लाखों के इलेक्ट्रिक पार्ट्स उड़ाए

राजधानी रांची के पंडरा स्थित आईबीपी इंटरप्राइजेज के गोदाम के पिछले हिस्से का ऊपर से छत काटकर वायर केबल और इलेक्ट्रिकल पार्ट्स की चोरी भारी मात्रा में कर ली गई है। इस संबंध में दुकान के मालिक इंद्रभूषण प्रसाद ने बताया कि कल दोपहर 2:00 बजे वे अपनी दुकान बंद करके चले गए थे लेकिन आज सुबह उनके पड़ोसी ने उनको फोन करके बताया कि आपके दुकान में चोरी हो रही है।

पड़ोसी ने यह भी बताया कि जब वो अपने छत पर सुबह टहलने निकले तो देखा कि गोदाम के ऊपर से सामान निकाला जा रहा था उन्होंने आवाज दी तो चोर भाग गए इधर उनके बुलावे पर मैं भाग कर अपनी गोदाम आया तो पाया कि मेरा गल्ला खुला पड़ा है और पीछे जब गोदाम में पहुंचा तो पाया कि ऊपर में लगा हुआ टर्बो एग्जास्ट फैन खुला हुआ है और समान पूरी तरह से बिखरा पड़ा है। ऊपर चढ़ने पर पाया कि शेड के ऊपर भी कुछ माल.पड़ा है। वायर केबल के दर्जनों डब्बे गायब मिले।

बहुत सारी एसेसरीज गायब मिली। पहली नजर में चोरी गए माल. की कीमत की अंदाजा तो पूरी तरह से नहीं लगा पा रहे हैं लेकिन अनूमान के मुताबिक तकरीबन 8 लाख से 900000 का सामान चोरी कर लिया गया है।

पर्यावरण संरक्षण के प्रति विकास भारती का कार्य समाजहित में सार्थक : राज्यपाल

रांची। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि पर्यावरण का संरक्षण से सभी का संरक्षण है। पर्यावरण पर ही हमारा जीवन आधारित है। पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक व्यक्ति के जीवन के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि ह्यविश्व पर्यावरण दिवसह्न के अवसर पर राज भवन में 50 से अधिक पौधे लगाये गए। राज्यपाल ने विकास भारती के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति विकास भारती संस्था का कार्य समाजहित में सार्थक है। विकास भारती ने अपने कार्यों से समाज के समक्ष अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा विगत दिनों वे गुमला स्थित विकास भारती बिशुनपुर भी गये थे, जहां उन्होंने इस संस्था की गतिविधियों को निकटता से देखा। उक्त अवसर पर उनके द्वारा वहां ह्यसिनगी दई वन विज्ञान केंद्रह्न नामक उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित होने वाले एक केंद्र की आधारशिला भी रखी गई। उन्होंने विकास भारती संस्था का जल संरक्षण की दिशा में किए जा रहे कार्यों की भी सराहना की।

उन्होंने कहा कि अगले वर्ष एक करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य है, जिसमें 10 प्रतिशत नीम के पौधे होंगे एवं शेष 90 प्रतिशत फलदार पौधे होंगे, जिससे सभी को निःशुल्क फल प्राप्त हो सकेगा। पर्यावरण संरक्षण के साथ लोगों के पोषण की दिशा में यह सार्थक कदम होगा।

राज्यपाल सोमवार को बरियातू स्थित आरोग्य भवन में विकास भारती बिशुनपुर की ओर से आयोजित ह्यविश्व पर्यावरण दिवसह्न के अवसर पर कार्यक्रम में बोल रहे थे।

राज्यपाल ने कहा कि सभी को प्लास्टिक के उपयोग से बचना चाहिए। प्लास्टिक के उपयोग से हमारा पर्यावरण दूषित हो रहा है। हम जब भी बाजार जाएं तो थैला लेकर जाएँ, प्लास्टिक का उपयोग नहीं करें।

हमें थैला या बर्तन लेकर चलने में शर्म नहीं करना चाहिए, स्वास्थ्य और पर्यावरण के प्रति सदैव सचेष्ट रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्था के अच्छे कार्यों की सराहना की जानी चाहिए।

पर्यावरण को बचाने के लिए पर्यावरणीय जीवनशैली को अपनाने की जरूरत : बादल पत्रलेख

रांची। राज्य के कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के मंत्री बादल पत्रलेख ने सोमवार को विश्व पर्यावरण दिवस 2023 के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में मिशन लाइफ का संदेश यह है कि लोगों द्वारा किए गए छोटे कार्य भी समाज को नई दिशा दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमें धरती को बचाने के लिए सामाजिक और पर्यावरणीय रूप से जिम्मेदार जीवनशैली को अपनाने की आवश्यकता है। मिशन लाइफ सभी को पर्यावरण संरक्षण के लिए जिम्मेदार बनाता है। मंत्री बादल कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार राज्य में पर्यावरण संरक्षण और समावेशी विकास के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में आम जन-जीवन में पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली को अपनाने पर बल दिया गया। मौके पर मिशन लाइफ के अभियान से जुड़ी पुस्तिका का भी विमोचन किया गया।

वन विभाग के प्रधान मुख्य वन संरक्षक डॉ. संजय ने कहा कि ह्यमिशन लाइफ के रूप में वैश्विक पहल जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने और विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। इसके तहत व्यक्तिगत स्तर पर उठाए गए छोटे कदमों पर खास बल दिया गया है। मिशन लाइफ अभियान को व्यापक जन-समर्थन मिला है। वन विभाग बेहतर पर्यावरण के लिए अभियान की गतिविधियों को निरंतर जारी रखेगा।

झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण परिषद के अध्यक्ष शशिकर सामंता ने कहा कि यदि हम प्रदूषण-मुक्त एवं खुशहाल समाज की ओर बढ़ना चाहते हैं, तो हमें अपने जीवन में सततशीलता के सिद्धांतों और मानवीय मूल्यों को अपनाने की आवश्यकता है। मिशन लाइफ नागरिक जुड़ाव और सामूहिक जिम्मेदारियों पर जोर देता है।हम सभी स्टेकहोल्डर्स को बेहतर पर्यावरण और समाज के लिए योगदान करने के लिए प्रेरित करते रहेंगे।झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण परिषद के सदस्य सचिव वाईके ने बदलाव लाने में सामूहिक प्रयासों पर जोर देते हुए कहा कि जिस पर्यावरण में हम रहते हैं, उसे संरक्षित करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। बेहतर पर्यावरण और समृद्ध समाज बनाने के लिए स्वस्थ जीवन शैली का अनुसरण हम सभी का लक्ष्य होना चाहिए।सकारात्मक बदलाव लाने के लिए हम पर्यावरणीय मुद्दों पर जन-जागरुकता फैलाने के लिए अधिकाधिक कदम उठाएंगे।

सीड के सीईओ रमापति कुमार ने कहा कि प्रकृति ही हमारा असली घर है, इसलिए हमारा यह दायित्व है कि इसके संरक्षण के लिए हरसंभव प्रयास करें।

बाबूलाल मरांडी ने देवघर में प. बंगाल के जमीन माफिया के कारोबार की जांच की मांग की

रांची। भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने सोमवार को सोशल मीडिया के माध्यम से देवघर में प. बंगाल के जमीन माफिया का फैल रहे कारोबार की जांच कराने की मांग की है। गोड्डा सांसद डॉ निशिकांत दुबे ने भी उनसे सहमति जताई है।

बाबूलाल के मुताबिक रांची की तरह देवघर में भी बड़े पैमाने पर कागजातों की हेराफेरी और जालसाजी कर जमीन घोटाला हुआ है। यह सिलसिला जारी है। अपनी चिंताओं को साझा करते कहा है कि एम्स एवं एयरपोर्ट स्थापना की गयी है। साथ ही बाबा वैद्यनाथ के विश्वव्यापी महत्व के चलते देवघर की जमीन पर न सिर्फ झारखंड बल्कि सीमावर्ती राज्य पश्चिम बंगाल के जमीन माफियाओं की भी नजर रही है। वहां के कुछ मामलों की जांच सीबीआई भी कर रही है। फिर भी जमीन घोटाले का गोरखधंधा जारी है।

मरांडी के अनुसार देवघर में हो रहे जमीन घोटाले गोरखधंधे का अंतरराज्यीय संबंध रांची की तरह बंगाल से है। सीबीआई और ईडी डायरेक्टर से अनुरोध करते बाबूलाल ने कहा है कि रांची की तरह देवघर में कागजातों की हेराफेरी कर हो रहे जमीन घोटाले की विस्तार से जांच का काम अपने हाथ में लें। सोशल मीडिया के जरिये उन्होंने पीएमओ, गृह मंत्रालय, इनकम टैक्स विभाग, देवघर डीसी और झारखंड सीएमओ को भी इस ओर ध्यान देने को कहा है।

गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे ने बाबूलाल की चिंताओं को जायज मानते कहा है कि राज्य के पहले मुख्यमंत्री होने के साथ साथ वे संताल परगना के नस नस को जानते हैं। देवघर में मंदिर, ट्रस्ट, धर्मशाला की जमीन को बेचने की होड़ लगी है। इसके अलावा एसपीटी कानून को धता बताकर गलत कागज पर भी जमीन की खरीद बिक्री हो रही है। एलपीसी भ्रष्टाचार का सर्टिफिकेट बन गया है।

रांची में 45 साल के शख्स ने की नाबालिग से शादी, मामला दर्ज

रांची। जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत 15 साल की नाबालिग लड़की ने 45 साल के शख्स से जबरदस्ती शादी कराने का आरोप अपने मौसी और ममेरे भाई पर लगाया है। उसने जगन्नाथपुर थाने में केस दर्ज कराया है।

पीड़ित नाबालिग ने शिकायत में कहा है कि उसकी मौसी और उसके ममेरे भाई ने साजिश रचकर काम के साथ पढ़ाई कराने के बहाने 45 साल के आदमी से उसकी शादी करा दी। उसने पुलिस को बताया कि वह खूंटी के एक स्कूल में पढ़ रही थी। नवंबर 2022 को मां से खर्च के पैसे लेने के लिए रांची आई थी। इस दौरान बिरसा चौक के पास उसकी मौसी और उसका ममेरा भाई काम के साथ पढ़ाई कराने की बात कहकर बाइक से उसे बोकारो के रीतूडीह ले गए।

कुछ दिनों के बाद उसका सौतेला भाई उसके साथ छेड़छाड़ करने लगा। विरोध करने पर मौसी उसे ही डांटने लगी और चुप रहने को कहा। आरोपितों ने उसे तुलसी पिंडा में बैठाया और तीन लोगों के सामने उसके मौसेरे भाई से शादी करा दी।

आरोपित ने उसके साथ जबरदस्ती संबंध भी बनाया। नाबालिग ने आरोप लगाया कि ससुर ने भी उसके साथ छेड़छाड़ की और विरोध करने पर उससे 20 हजार रुपये मांगने लगा। इसके बाद वह किसी भी तरह से भागकर रांची पहुंची। उसकी मां उसे अस्पताल ले गई तो पता चला कि वह गर्भवती है। पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

रांची में चोरी के 101 सिलिंडर बरामद, चार गिरफ्तार

रांची। नामकुम थाना पुलिस ने चोरी के 101 पीस गैस सिलिंडर बरामद करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में सुखेदवनगर निवासी बिट्टू कुमार, बरियातू निवासी रमेश कुमार, कोकर तिरिल निवासी निशांत कुमार और बरियातू निवासी पंकज कुमार शामिल है।

ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने सोमवार को नामकुम थाने में प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि खरसीदाग ओपी के एचपी गैस गोदाम कुटियातू से 39 पीस गैस सिलिंडर चोरी होने पर गैस गोदाम के मालिक ने चार जून को प्राथमिकी दर्ज करायी थी। इसके पूर्व में भी सिलिंडर चोरी को लेकर मामला दर्ज कराया गया था। चोरी की घटना को लेकर थाना प्रभारी सुनील कुमार तिवारी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया।

टीम ने अनुसंधान के क्रम में मिले गुप्त सूचना के आधार पर चोरी की घटना में शामिल चार आरोपितों को गिरफ्तार किया। चोरी किये गये 39 सिलिंडर तथा अन्य 62 सिलिंडर भी इनके निशानदेही पर बरामद किये गये है।

जमशेदपुर एसएसपी प्रभात कुमार की कार्यशैली व दंगे की न्यायिक जांच हो : प्रवीण सिंह

जमशेदपुर ।

बीते दिनों झारखंड के लौह नगरी जमशेदपुर में दो समुदायों के बीच हुई झड़प और आगजनी की घटना के एक खास वर्ग या समुदाय या कहे कि राजनीतिक दल के विरुद्ध पुलिसिया कार्रवाई सवालों के घेरे में है। जमशेदपुर के एसएसपी प्रभात कुमार द्वारा भाजपा नेता अभय सिंह व अन्य की गिरफ्तारी सवालों के घेरे में है। आज भाजपा नेता अभय सेवा अन्य हिंदूवादी संगठनों के नेताओं की गिरफ्तारी को लेकर भाजपा नेता व पूर्व एमएलसी प्रवीण सिंह ने आज राजधानी रांची में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस मामले की रिटायर्ड जज से निष्पक्ष उच्च स्तरीय जांच की मांग की और कहा कि जिस तरह से जमशेदपुर की पुलिस या कहें कि राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता जो कि खुद जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक हैं उनके इशारे पर काम कर रही है वह उससे वहां का माहौल खराब हो रहा है एक खास समुदाय विशेष के नेताओ दुर्भावनावश लोगों को टारगेट किया जा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इसको लेकर के देश के गृह मंत्री से भी मिलेंगे और जमशेदपुर के एसएसपी के क्रियाकलापों की का सबूत सौंपेंगे और साथ ही राज्य के मुख्यमंत्री से भी उन्होंने इस संबंध में मिलने के लिए समय मांगा है। बता दें कि बीते 8 अप्रैल को झारखंड की लौ नगरी जमशेदपुर में दो समुदाय के बीच में पथराव आगजनी सहित जबरदस्त हंगामा हुआ था जिसमें भीड़ ने जमशेदपुर पुलिस को भी नहीं बख्शा था और इस वारदात में जमशेदपुर में पुलिस के करीब आधे दर्जन से ज्यादा जवान भी घायल हुए थे।

प्रवीण सिंह, पूर्व एमएलसी सह भाजपा नेताबीते दिनों झारखंड के लौह नगरी जमशेदपुर में दो समुदायों के बीच हुई झड़प और आगजनी की घटना के एक खास वर्ग या समुदाय या कहे कि राजनीतिक दल के विरुद्ध पुलिसिया कार्रवाई सवालों के घेरे में है। जमशेदपुर के एसएसपी प्रभात कुमार द्वारा भाजपा नेता अभय सिंह व अन्य की गिरफ्तारी सवालों के घेरे में है। आज भाजपा नेता अभय सेवा अन्य हिंदूवादी संगठनों के नेताओं की गिरफ्तारी को लेकर भाजपा नेता व पूर्व एमएलसी प्रवीण सिंह ने आज राजधानी रांची में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस मामले की रिटायर्ड जज से निष्पक्ष उच्च स्तरीय जांच की मांग की और कहा कि जिस तरह से जमशेदपुर की पुलिस या कहें कि राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता जो कि खुद जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक हैं उनके इशारे पर काम कर रही है वह उससे वहां का माहौल खराब हो रहा है एक खास समुदाय विशेष के नेताओ दुर्भावनावश लोगों को टारगेट किया जा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इसको लेकर के देश के गृह मंत्री से भी मिलेंगे और जमशेदपुर के एसएसपी के क्रियाकलापों की का सबूत सौंपेंगे और साथ ही राज्य के मुख्यमंत्री से भी उन्होंने इस संबंध में मिलने के लिए समय मांगा है।

बता दें कि बीते 8 अप्रैल को झारखंड की लौह नगरी जमशेदपुर में दो समुदाय के बीच में पथराव आगजनी सहित जबरदस्त हंगामा हुआ था, जिसमें भीड़ ने जमशेदपुर पुलिस को भी नहीं बख्शा था और इस वारदात में जमशेदपुर में पुलिस के करीब आधे दर्जन से ज्यादा जवान भी घायल हुए थे।

पर्यावरण संरक्षण के लिए संवेदनशील होने के साथ ही जागरूक होना जरूरी : मनरेगा आयुक्त

रांची। मनरेगा आयुक्त राजेश्वरी बी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सोमवार को राज्य ग्रामीण विकास संस्थान (सर्ड) के परिसर में शीशम एवं पीपल का पौधा लगाते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस मौके पर मनरेगा आयुक्त ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए आम लोगों में संवेदनशीलता के साथ-साथ जागरुकता का होना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि पर्यावरण का संबंध हमारे जीवन से है। पर्यावरण हमें बहुत कुछ देता है। हमें भी पर्यावरण को बचाने के लिए कुछ करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण काफी जरूरी है। राजेश्वरी बी ने आम लोगों से अपील की कि चाहे बच्चे का जन्मदिन हो या शादी समारोह या फिर कोई विशेष अवसर, छोटे-बड़े सभी अवसरों पर पौधरोपण अवश्य करें। सभी व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली अपनाएं और लोगों को प्रेरित भी करें। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत और सामुदायिक स्तर पर छोटे कदमों और उपायों को लागू कर हमें स्वस्थ जलवायु को बढ़ाना है।

बिरसा मुंडा संग्रहालय सह पार्क में विश्व पर्यावरण दिवस पर रांची शहरी पेयजलापूर्ति योजना फेज 2 बी के तहत कार्य करने वाली कंपनी जिंदल वाटर इन्फ्रास्ट्रकचर लिमिटेड ने पौधरोपण किया। लगभग 70 पेड लगाए गए।

तेजस्वी डेवलपर्स के निदेशक से मांगी गयी एक करोड़ की रंगदारी

रांची। तेजस्वी डेवलपर्स के निदेशक मुन्ना कुमार से एक करोड़ की रंगदारी मांगने का मामला सोमवार को प्रकाश में आया है। इस संबंध में लालपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है।

बताया जाता है कि इस्टर्न मॉल के सातवें तल्ले पर स्थित मुन्ना कुमार के ऑफिस में पांच लोग आये और कहा कि अगर तेजस्वी रेसिडेंसी को विकसित करना है तो एक करोड़ की रंगदारी देनी होगी। पांचों लोगों ने मुन्ना कुमार को पैसे नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी। उन्होंने कहा कि पैसा नहीं दिये तो सीसीटीवी एरिया से बाहर आते ही तुम्हारी हत्या कर दी जायेगी। दर्ज प्राथमिकी में मुन्ना कुमार ने यह भी लिखा है कि उन्हें धमकी दी गयी है कि तीन-चार लोगों की हत्या होनी तय है। इस घटना के बाद वे काफी भयभीत है। उन्होंने पुलिस को घटना वाले दिन का सीसीटीवी फुटेज भी उपलब्ध कराया है।

थाना प्रभारी ममता कुमारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। मामले में जिन पर आरोप लगाया गया है उनसे प्रॉपर्टी का विवाद पूर्व से चल रहा है। मामला कोर्ट में भी चल रहा है।

संपादकीय

जम्मू-कश्मीर में लक्षित हिंसा की घटनाओं में नई प्रवृत्ति

जम्मू-कश्मीर में आतंकियों ने अपना खौफ कायम रखने के लिए किस तरह के हालात पैदा किए हैं, यह किसी से छिपा नहीं है। मगर पिछले कुछ समय से उनके हमलों में जो नई प्रवृत्ति देखने में आई है, वह है सामुदायिक स्तर पर कुछ खास पहचान वालों को चुन कर मार डालना और उसके जरिए अलग-अलग समुदायों के बीच आपस में संदेह और दूरी बनाने का माहौल पैदा करना।इस तरह के टकराव पैदा करके शायद वे स्थानीय स्तर पर एक तरह से आपसी अविश्वास और उसके बाद अराजकता की स्थिति बनाना चाहते हैं, ताकि उन्हें अपनी असली मंशा को अंजाम देने के रास्ते आसान हो सकें। इसी मकसद से जम्मू-कश्मीर में लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों ने सोमवार की रात को फिर एक मजदूर की गोली मार कर हत्या कर दी।यह इस तरह का कोई पहला मामला नहीं है। बीते एक-दो सालों से जम्मू-कश्मीर क्षेत्र में सक्रिय आतंकवादियों ने लक्षित हमले करके या तो किसी कश्मीरी पंडित को मार डाला या फिर किसी प्रवासी मजदूर को। सवाल है कि सुरक्षा व्यवस्था के मोर्चे पर हर स्तर पर मजबूत होने का दावा करने के बावजूद जम्मू-कश्मीर में लक्षित हिंसा की घटनाएं थम क्यों नहीं रहीं !गौरतलब है कि आतंकियों के इस हमले में जान गंवाने वाला मजदूर जिस सर्कस में काम करता था, उसे अलग से सुरक्षा उपलब्ध कराई गई थी। हालांकि सर्कस से जुड़े लोगों के पास अपनी सुरक्षा भी थी। इसके बावजूद आतंकियों ने लक्ष्य करके बाजार से खरीदारी करते उस मजदूर को मार डाला।ऐसा लगता है कि इस तरह लक्षित हमलों के जरिए आतंकियों का मकसद अपनी गतिविधियों की ओर सबका ध्यान खींचना और सामुदायिक पहचान के आधार पर खौफ पैदा करना है। यों तो आतंकवाद में विश्वास करने वाले किसी भी व्यक्ति या समूह से मानवीयता या सिद्धांत की उम्मीद करना ही अपने आप में बेमानी है, लेकिन खुद आतंकवादी संगठन दुनिया के सामने खुद को सही ठहराने के लिए जो बातें परोसते और सरकारी तौर-तरीकों के गलत होने का आरोप लगाते हैं, उन कसौटियों पर वे खुद ही बहुत निचले स्तर पर जाकर भी अमानवीय हरकतें करने से नहीं हिचकते। आखिर किसी सर्कस में काम करने वाले मजदूर ने किसका क्या बिगाड़ा थासच यह है कि आतंकवादी संगठन जिनके इशारों पर अपनी गतिविधियां चलाते हैं, उनका अकेला उद्देश्य भारत में अस्थिरता पैदा करना रहा है। लक्षित हमले करके अब वे लोगों के बीच अपनी मौजूदगी का खौफ कायम रखना चाहते हैं। यह जगजाहिर तथ्य है कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी हमले और हत्याएं करने वाले संगठनों के तार सीमा पार से जुड़े हुए हैं।भारत की ओर से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बार-बार यह सवाल उठाए जाने और इस ओर दुनिया के अहम देशों का ध्यान जाने के बावजूद पाकिस्तान को शायद कोई फर्क नहीं पड़ता। जबकि अब यह सिद्ध भी हो चुका है कि पाकिस्तान स्थित ठिकानों से आतंकवादी गतिविधियां संचालित करने वाले संगठन भारत में सुरक्षा बलों से लेकर आम लोगों के खिलाफ आतंकी वारदात को अंजाम देते रहते हैं।इसमें कोई संदेह नहीं कि जम्मू-कश्मीर में तैनात सुरक्षा बलों की ओर से आतंकियों के खिलाफ चलाए जाने वाले अभियानों में कमी नहीं की जाती। लेकिन आए दिन आतंकवादी जिस तरह के हमले और कुछ खास तबकों की पहचान को लक्षित करके हत्याएं कर रहे हैं, उसे काबू में करने के लिए सुरक्षा बलों को शायद किसी नई रणनीति पर काम करना पडेगा।

सावधान! 'मोबाइल बम' से खेल रहे बच्चे, इतना गुस्सा कैसे कि भाई-बहन कर रहे एक-दूसरे की हत्या

(अमित शुक्ला)

एक हफ्ते के भीतर फरीदाबाद से दो मिलती-जुलती घटनाएं सामने आई हैं। हत्या के ये दोनों मामले दिल दहला देने वाले हैं। पहले मामले में भाई बहन का हत्यारा बना। दूसरे में बहन के हाथ भाई के खून से सने। हत्या के इन दोनों मामलों में कारण मोबाइल था। इसे 'ट्रेंड' कहना तो जल्दबाजी होगी। लेकिन, यह बच्चों की बदलती मानसिकता के संकेत जरूर देता है। भाई-बहन का सिर्फ मोबाइल के लिए एक-दूसरे की हत्या कर देना साधारण बात नहीं है। यह बच्चों में बढ़ती संवेदनहीनता को दर्शाता है। इससे यह भी पता चलता है कि बच्चों को मोबाइल संस्कारों से दूर ले जाकर हिंसक बना रहा है। यह चिंता पैदा करता है। ये बच्चे हमारे-आपके बच्चों से अलग नहीं हैं। न इनके हाथों में जो मोबाइल है वह किसी और दुनिया से बनकर आया था। दोनों ही मामले में बच्चे किशोर हैं। मोबाइल ने इन बच्चों के चारों ओर एक सामानांतर दुनिया बना दी है। इसमें वे असल और वर्चुअल का फर्क तक भूलते जा रहे हैं। यह बच्चों की पैरेंटिंग पर भी सवाल खड़े करता है। बच्चे मोबाइल के इस कदर लती कैसे बन रहे हैं। क्यों इनके हाथ में बचपन से ही 'मोबाइल बम' थमाए जा रहे हैं। कुछ दिनों पहले फरीदाबाद के ओम एन्क्लेव पार्ट-दो में एक युवती का शव मिला था। तफ्तीश में पता चला था कि भाई ने अपनी बड़ी बहन की गला और मुंह दबाकर हत्या कर दी थी। बहन दिल्ली के करोलबाग में एक शिक्षण संस्थान से सीए और सीएस की परीक्षा की तैयारी कर रही थी। हत्या के बाद से भाई फरार हो गया। शुरुआती जांच में सामने आया कि मोबाइल का ज्यादा इस्तेमाल करने पर बहन अपने भाई को डांटती थी। इसी कारण भाई ने बहन की हत्या कर दी। अब फरीदाबाद से ही इसी से मिलता-जुलता एक और मामला सामने आया है। गेम खेलने के लिए मोबाइल न देने पर 10वीं की छात्रा ने 12 साल के भाई की हत्या कर दी। किशोरी ने पुलिस को बताया है कि माता-पिता भाई को ही ज्यादा समय के लिए मोबाइल देते थे। इसलिए गुस्साकर उसने यह कदम उठाया।

पिछले साल मोबाइल फोन पर ऑनलाइन गेम खेलने के लिए एक किशोर के अपने छोटे भाई का कत्ल करने की खबर आई थी। यह घटना गुजरात की थी। ऐसे न जाने और कितने मामले पिछले कुछ समय में देखने में आए हैं। आखिर मोबाइल में ऐसा क्या है जो बच्चे इस कदर लती हो गए हैं कि अपने सगे भाई-बहन को नहीं देख रहे हैं। उनके सिर पर यह किस तरह का जुनून सवार है। एक लेवल पर आकर वे माता-पिता के काबू से भी बाहर हो जाते हैं।

रिसर्च फर्म रेडसीर की स्टडी के अनुसार, 2026 तक भारत में गेमिंग सेक्टर की वैल्यू 7 अरब डॉलर (करीब 57,000 करोड़ रुपये) के आसपास हो जाएगी। यानी यह एक बड़ा कारोबार है। ऑनलाइन गेमिंग फर्म इस पर जमकर इनवेस्ट कर रही हैं। परफेक्शन की इस कोशिश में रियल और वर्चुअल के अंतर को खत्म किया जा रहा है। यानी पूरा जोर इस बात पर है कि वर्चुअल को ज्यादा से ज्यादा रियल बना दिया जाए। अब तक सरकार भी इन ऑनलाइन गेम्स प्रभावी कानून बना पाने में कामयाब नहीं हुई है। हालांकि, इसका खामियाजा जरूर दिख रहा है। बच्चे इन गेम्स के लती बन रहे हैं। यह जुनून इस कदर है कि वे बागी बनते जा रहे हैं।

हालांकि, यह भी सच है कि इन बच्चों के हाथों में 'मोबाइल बम' थमाने वाला भी कोई और नहीं पैरेंट्स ही होते हैं। महानगरों में कमोबेश यह ट्रेंड है जहां पति-पत्नी दोनों काम करते हैं। कभी सहूलियत तो कभी चिकचिक से बचने के लिए वे बच्चों के हाथों में खुद मोबाइल दे देते हैं। कोरोना के दौर से तो पढ़ाई के नाम पर हर बच्चे के हाथ में मोबाइल फोन आ गया। बच्चों का मोबाइल पर स्क्रीन टाइम बढ़ गया। यह बच्चों को न सिर्फ आलसी बना रहा है, बल्कि उनके लिए एक फंतासी दुनिया गढ़ रहा है। बच्चे इस फंतासी दुनिया में जितना डूबते हैं, वास्तविकता उनसे उतनी ही दूर चली जाती है। ऐसे में सिर्फ बच्चों को गलत ठहरा देना सही नहीं है। वाकई हमें स्थितियों को बदलना है तो बच्चों को समय देना होगा। बच्चों से जुड़ना होगा। उन्हें रियल और वर्चुअल दुनिया के बीच अंतर को समझाना होगा। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं

दिल्ली में हुए साक्षी हत्याकांड से पूरी मानवता की रूह कांप गयी है

(ललित गर्ग)

यह सराहनीय है कि काफी कम समय में पुलिस अपराधी तक पहुंच गई है। अब इस मामले में पूरी तेजी के साथ न्याय सुनिश्चित किया जाना चाहिए। ऐसे मामलों में अपराधी को त्वरित सजा एवं सख्त से सख्त सजा से ही समाज में सही संदेश दिया जा सकता है। फिर एक और 16 साल की साक्षी की साहिल ने बेरहमी से हत्या कर दी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के शाहबाद डेयरी में हुए इस हत्याकांड ने अनेक सवाल खड़े कर दिये हैं।

समाज में बढ़ती हिंसक वृत्ति, क्रूरता एवं संवेदनहीनता से केवल महिलाएं ही नहीं बल्कि हर इंसान खौफ में है। मानवीय संबंधों में जिस तरह से बालिकाओं की निर्मम हत्याएं हो रही हैं उसे लेकर बहुत सारे सवाल उठ खड़े हुए हैं। विडंबना यह है कि समाज में गहरी संवेदनहीनता पसरी है। निर्ममता-क्रूरता एवं बर्बरता हमेशा से हमारे समाज के अंधेरे कोनों में व्याप्त रही है, पर इस मामले में जिस तरह से सरेराह हिंसा एवं बेरहमी देखी गई है और उसके प्रति लोगों में जो शर्मनाक उदासीनता देखी गई है, वह अपने आप में किसी अपराध से कम नहीं है। वह हत्यारा एक नाबालिग लड़की को खुलेआम मारता रहा, इस खौफनाक एवं दर्दनाक दृश्य के दस से ज्यादा लोग साक्षी होने के बावजूद किसी ने भी हत्यारे को यह जघन्य काण्ड करने से नहीं रोका, हत्यारे ने चाकू से वार पर वार किए और लड़की का सिर तक कुचल दिया, पत्थर से भी वार किये, तब भी लोग बचाव के लिए सामने नहीं आए। कोई एक तमाशबीन भी शोर तक मचाने के लिए कुछ पल खड़ा न हुआ। एक व्यक्ति ने हत्यारे का हाथ पकड़ने की कोशिश की, पर झटके जाने के बाद हिम्मत न जुटा सका। मतलब, दस में से किसी एक व्यक्ति ने मानवीयता एवं संवेदनशीलता का तनिक भी परिचय नहीं दिया।

श्रद्धा हत्याकांड एवं उसके बाद निक्की हत्याकाण्ड जैसे कई कांडसामने आ चुके हैं। समाज बार-बार सिहर उठता है, घायल होता है। इस सिहरन को कुछ दिन ही बीते होते हैं कि नया साक्षी हत्याकांड सामने आ जाता है। इन प्रदूषित एवं विकृत सामाजिक हवाओं को कैसे रोका जाए, यह सवाल सबके सामने है। समाज को उसकी संवेदनशीलता का अहसास कैसे कराया जाए। समाज में उच्च मूल्य कैसे स्थापित किए जाएं, यह चिंता का विषय है। कभी-कभी हिंसा के ऐसे शर्मनाक एवं डरावने दृश्य सामने आते हैं कि निंदा के लिए शब्द कम पड़ने लगते हैं। इस हत्याकांड ने समाज की विकृत एवं संवेदनहीन होती स्थितियों को उधेड़ा है। नये बन रहे समाज में अगर यहां से कोई आंकड़ा निकाला जाए, तो आज समाज में दस में से कोई एक आदमी भी सामने हो रही हत्या या अन्याय को रोकने के लिए आगे नहीं आता। साक्षी अकेली जूझती रही और अंततः समाज की उदासीनता से हार गई। उस लड़की के माता-पिता बिलख रहे हैं और हत्यारे के लिए कड़ी से कड़ी सजा की मांग कर रहे हैं।

यह सराहनीय है कि काफी कम समय में पुलिस अपराधी तक पहुंच गई है। अब इस मामले में पूरी तेजी के साथ न्याय सुनिश्चित किया जाना चाहिए। ऐसे मामलों में अपराधी को त्वरित सजा एवं सख्त से सख्त सजा से ही समाज में सही संदेश दिया जा सकता है। जैसे-जैसे समाज उदार एवं आधुनिक होता जा रहा है, जड़ताओं को तोड़ कर युवा वर्ग नई एवं स्वच्छन्द दुनिया में अलग-अलग तरीके से जी रहा है, संबंधों के नए आयाम खुल रहे हैं, उसी में कई बार कुछ युवक अपने लिए बेलगाम जीवन सुविधाओं एवं प्यार को अपनी बपौती समझ कर ऐसी हिंसक एवं अमानवीय घटनाओं को अंजाम दे रहे है। साक्षी हत्याकांड में भी अपराधी लड़के को कथित रूप से यह शिकायत थी कि लड़की उससे दोस्ती रखना नहीं चाहती थी। क्या वह लड़का इतना जाहिल एवं जानवर था कि उसे अपनी बात मनवाने के लिए सभ्य तरीके नहीं आते थे क्या वह लड़का यह मानता था कि किसी लड़की की मर्जी का कोई अर्थ नहीं है क्या कोई लड़की अपनी मर्जी से दोस्त भी नहीं चुन सकती क्या जबरन दोस्ती मुमकिन है क्या कोई दोस्ती नहीं करेगा, तो उसकी हत्या हो जाएगी यह दुस्साहस कहां से आ रहा है। समाज और देश में ऐसे सवाल बढ़ते जा रहे हैं, जिनका जवाब सभी लोगों को सोचना चाहिए।

यद्यपि समाज में प्यार करने के तौर-तरीकों पर सवाल उठाता रहा है लेकिन जो कुछ समाज में हो रहा है वह पाश्विकता एवं दरिंदगी की हद है। प्यार हो, विवाह हो या लिव-इन रिलेशनशिप, हिंसात्मक व्यवहार और हिंसक-अंत को बीमार मानसिकता से नहीं समझा जा सकता। हिन्दू-मुस्लिम प्रेम संबंधों के बढ़ते प्रचलन से यह समझना मुश्किल है कि भरोसे की बुनियाद पर खड़े संबंधों के बीच किसी व्यक्ति के भीतर इस स्तर की संवेदनहीनता एवं उन्माद कैसे उभर आता है कि वह अपनी प्रेमिका को मार डालता है। पहले तो दुनिया से छिपा कर कोई युवक किसी युवती के साथ प्रेम संबंध में या फिर सहजीवन में जाता है, फिर किसी जटिल स्थिति के पैदा होने पर उसका मानवीय हल निकालने के बजाय वह हत्या का रास्ता अख्तियार करता है। इस तरह की मानसिकता का पनपना नये निर्मित होते समाज पर एक बदनुमा दाग है एवं बड़ा प्रश्न भी है कि इस तरह के प्रेम संबंधों की ऐसी क्रूर एवं हिंसक निष्पत्ति क्यों होती है इस तरह के व्यवहार को कैसे सोच-समझ कर की गई किसी पेशवर अपराधी की हरकत नहीं कहा जाएगा निश्चित तौर पर ऐसी घटनाएं कानून की कसौटी पर आम आपराधिक वारदात हो हैं, लेकिन इससे यह भी पता चलता है कि प्रेम संबंधों में भरोसा अब एक जोखिम भी होता जा रहा है!

आखिर बेटियों एवं नारी के प्रति यह संवेदनहीनता कब तक चलती रहेगी युवतियों को लेकर गलत धारणा है कि उन्हें प्रेम, भौतिकतावादी जीवन एवं सैक्स के ख्वाब दिखाओं एवं जहां कहीं कोई रुकावट आये, उसे मार दो। एक विकृत मानसिकता भी कायम है कि बेटियां भोग्य की वस्तु हैं जैसे-जैसे देश आधुनिकता की तरफ बढ़ता जा रहा है, नया भारत-सशक्त भारत-शिक्षित भारत बनाने की कवायद हो रही है, जीवन जीने के तरीकों में खुलापन आ रहा है, वैसे-वैसे महिलाओं एवं अबोध बालिकाओं पर हिंसा के नये-नये तरीके और आंकड़े भी बढ़ते जा रहे हैं। अवैध व्यापार, बदला लेने की नीयत से तेजाब डालने, साइबर अपराध, प्रेमी द्वारा प्रेमिका को क्रूर तरीके से मार देने और लिव इन रिलेशन के नाम पर यौन शोषण हिंसा के तरीके हैं। कौन मानेगा कि यह वही दिल्ली है, जो करीब दस साल पहले निर्भया के साथ हुई निर्ममता पर इस कदर आन्दोलित हो गई थी कि उसे इंसाफ दिलाने सड़कों पर निकल आई थी। अब ऐसा सन्नाटा क्यों

जाहिर है, समाज की विकृत सोच को बदलना ज्यादा जरूरी है। बालिकाओं के जीवन से खिलवाड़ करने, उन्हें बीमार मानसिकता के साथ प्रेम-संबंधों में डालने, उनके साथ रेप, हत्या जैसे अपराध करने की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने और पुलिस व्यवस्था को और चाक-चौबंद करने की मांग के साथ समाज के मन-मिजाज को दुरुस्त करने का कठिन काम भी हाथ में लेना होगा। यह घटना शिक्षित समाज के लिए बदनुमा दाग है। अब एक सभ्य समाज के रूप में हमें अपने नागरिकों को उनके कर्तव्यों का बोध कराना ही जरूरी हो गया है। हम अपना हक पाने का, मांगने के लिए तो कहीं भी लड़ जाते हैं, लेकिन कर्तव्य या जिम्मेदरी निभाने की जब बात आती है तो कतरा कर निकल जाते हैं। यह समय है, जब हमें व्यापक रूप से समाज और संस्कृति सुधार के बारे में सोचना चाहिए। अगर ऐसी घटनाएं होती रहीं तो फिर कानून का खौफ किसी को नहीं रहेगा और सरेआम इस तरह की हत्याओं से किसी का भी जीवन कैसे सुरक्षित होगा। समाज तमाशबीन बना रहेगा तो फिर कौन रोकेगा हिंसा, हत्या, हैवानियत, बलात्कार को, और प्रेम-प्यार के नाम पर ऐसी हिंसक दरिंदगी को। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

भारत के सतत विकास की गाथा : एक विश्लेषण

डॉ.अरुणाभ घोष

सतत विकास के लिए नीतियों की जरूरत होती है, लेकिन इसके लिए लोगों की भी आवश्यकता होती है। जब तक हम ऊर्जा स्रोतों में बदलाव और सतत विकास को लोगों के करीब नहीं लायेंगे, तब तक हम पर्यावरण-अनुकूल और जनहितैषी प्रभाव तथा कार्यक्रमों के सतत संचालन से जुड़ी सामुदायिक कार्रवाई के लिए आवश्यक कठोर निर्णयों के प्रति दीर्घकालिक सामाजिक समर्थन प्राप्त नहीं कर सकते। यही कारण है कि, जब भारत के सतत विकास से जुड़ी पहलों की बात आती है, तो शब्दों से अधिक कार्रवाई में ही स्पष्टता दिखती है।

सतत विकास केवल एक पर्यावरणीय चिंता नहीं है; यह वह दृष्टिकोण है, जिसके माध्यम से आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन भी हमारे सामने आता है। छोटे किसानों पर विचार करें। भारत फलों और सब्जियों के क्षेत्र में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है, लेकिन इस उत्पादन का एक अनुमान के मुताबिक 5-16 प्रतिशत सालाना बर्बाद हो जाता है। हालांकि, नवीकरणीय ऊर्जा से परिचालित आजीविका उत्पादों के साथ, बदलाव के उदाहरण जमीन पर स्पष्ट होने लगे हैं। आंध्र प्रदेश के एक छोटे से गांव मुसलरेड्डीगरीपल्ली में, महिलाओं के समूह बैंगन, टमाटर, करेला और केले को बर्बाद होने से बचाने के लिए, सौर ऊर्जा संचालित ड्रायर में सुखाकर हर महीने लगभग 3.5 लाख रुपये अर्जित कर रहे हैं। जब सबसे कमजोर और वंचित समुदाय अपने जीवन और आजीविका, नए बाजार तथा व्यवसायों से संबंधित अवसरों को बेहतर बनाने के लिए बड़े पैमाने पर स्थायी समाधानों को प्रदर्शित करने में सक्षम होते हैं, तो इसे राष्ट्रीय नीति रूपरेखा में शामिल किया जाता है। भारत अब आजीविका के लिए नवीकरणीय ऊर्जा संबंधी नीति बनाने वाला पहला देश है।

इस तरह के कार्यों के माध्यम से, इस तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से,सतत विकास के लिए भारतीयो की दृष्टि में बदलाव हुए हैं। इसके तीन घटक हैं, जो वैश्विक दक्षिण के अन्य देशों के लिए एक हरित और समावेशी अर्थव्यवस्था की रूपरेखा के रूप में कार्य कर सकते हैं।

पहला, विकास को नागरिक केंद्रित बनाना। चाहे वह सौभाग्य योजना हो, जिसने लगभग 100 प्रतिशत घरेलू विद्युतीकरण सुनिश्चित किया है, या उज्जवला योजना हो, जिसके तहत स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए 9.5 करोड़ एलपीजी कनेक्शन प्रदान किए गए हैं, या स्मार्ट मीटर की शुरुआत हो, जो वास्तव में लोगों के हाथों में ही बिजली-आपूर्ति के संचालन की सुविधा देता है। भारत ऊर्जा-स्रोतों में बदलाव को एक घरेलू कार्य बना रहा है। उजाला योजना, जिसका उद्देश्य एलईडी प्रकाश व्यवस्था के माध्यम से ऊर्जा संरक्षण करना है, सालाना लगभग 3.9 करोड़ टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को बचाने का प्रबंधन कर रही है। इसके साथ, जल जीवन मिशन ने 8 करोड़ ग्रामीण परिवारों को नल से सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति की सुविधा दी है। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत प्रगति हो रही है, जिसके अंतर्गत 2026 तक चुनिंदा शहरों में अति सूक्ष्म कण वायु प्रदूषण को 40 प्रतिशत तक कम करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके अलावा, एकल-उपयोग प्लास्टिक पर अंकुश लगाने के लिए स्वच्छ भारत मिशन आदि ऐसे उदाहरण हैं, जो दिखाते हैं कि कैसे सतत विकास से जुड़े बड़े पैमाने के कार्यक्रम भी लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर सकते हैं। जब हम इस तरह के नागरिक-केंद्रित पहलों का विस्तार करते हैं, तो यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि घरों से वास्तविक समय पर और उच्च गुणवत्ता युक्त डेटा प्रवाह को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है एवं तकनीकें और संबंधित योजनायें जमीन पर काम कर रहीं हैं। ऐसी योजनाओं के कार्यान्वयन के संबंध में, शासन के सभी स्तरों के अधिकारियों को लोगों से समय-समय पर प्रतिक्रिया लेने की आवश्यकता है।

दूसरा, अर्थव्यवस्था-केंद्रित कार्यक्रमों के माध्यम से सतत विकास को बड़े पैमाने पर गति देना। 2070 तक नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन तक पहुँचने के लिए, भारत की ऊर्जा प्रणाली और आर्थिक संरचना दोनों को बदलने की आवश्यकता है। यह पहल, यहां कई मोर्चों पर आगे बढ़ रही है। देश में अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी नवीकरणीय और सौर ऊर्जा स्थापित क्षमता है। सीईईडब्ल्यू, एनआरडीसी और एससीजीजे के विश्लेषण के अनुसार, भारत का नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र 2030 तक 10 लाख लोगों को रोजगार देगा। भविष्य के इस कार्यबल को प्रशिक्षित करने के लिए, स्किल काउंसिल फॉर ग्रीन जॉब्स कर्मचारियों को हरित व्यवसायों और सेवाओं के लिए प्रशिक्षण दे रही है। ग्रामीण भारत भी इस बदलाव से अछूता नहीं है। वितरित नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादों के पास 4 लाख करोड़ रुपये का बाजार अवसर है और ये जमीनी स्तर पर महिलाओं को सीधे सशक्त बना रहे हैं। इसी तरह, पीएम-कुसुम योजना, जिसके तहत अक्टूबर 2022 तक 1.5 लाख सिंचाई पंपों को सौर ऊर्जा परिचालित बनाया गया है, का उद्देश्य किसानों के सिंचाई बिलों को कम करते हुए उनकी आय में वृद्धि करना है। जैसे-जैसे दुनिया जीवाश्म ईंधन से दूर जा रही है, हम भविष्य के ईंधन, विशेष रूप से हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में भी बड़े कदम उठा रहे हैं। दुनिया के सबसे बड़े कार्यक्रमों में से एक, राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के साथ, भारत विकास और प्रतिस्पर्धात्मकता से समझौता किए बिना, उर्वरक और इस्पात जैसे भारी उद्योगों को कार्बन-उत्सर्जन मुक्त बनाने के लिए हरित हाइड्रोजन का उपयोग कर सकता है।

ये वास्तव में भारत की शहरी और कृषि अर्थव्यवस्था के लिए बड़े कदम हैं। हालांकि, उनकी वास्तविक क्षमता के उपयोग के लिए इन कदमों की बड़े पैमाने पर विस्तार करने की आवश्यकता है, जिनमें शामिल हैं - विनिर्माण के क्षेत्र में उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (विशेष रूप से केवल स्वच्छ तकनीकी उत्पादों की जोड़ने के बजाय उच्च मूल्यवर्धन पर ध्यान केंद्रित करना), पूंजी सहायता में वृद्धि, आपूर्ति श्रृंखलाओं का विविधीकरण और खरीदारों के लिए प्रोत्साहन (फेम जैसी योजना, जो इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए प्रोत्साहन प्रदान करती है) आदि।

तीसरा, भारत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सतत विकास से जुड़े पहलों को मजबूत कर रहा है। 2015 में भारत और फ्रांस द्वारा शुरू किए गए अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) को सौर ऊर्जा की कीमतों को कम करने, सकल मांग को कम करने और 115 हस्ताक्षरकर्ता देशों के बीच सहयोगी अवसर पैदा करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसी तरह, 2019 में भारत द्वारा लॉन्च किया गया आपदा-रोधी अवसंरचना गठबंधन (सीडीआरआई) जलवायु परिवर्तन के गंभीर प्रभावों का सामना कर रहे क्षेत्रों में सहनशील अवसंरचना के निर्माण को बढ़ावा दे रहा है। अपने राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान के तहत, भारत की योजना 2030 तक वन आच्छादित क्षेत्र के माध्यम से 2.5-3 बिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड का कार्बन सिंक बनाने की है। आर्द्रभूमि के प्रबंधन में सुधार (जलवायु जोखिमों को कम करने में उनकी भूमिका सहित) और जैव विविधता संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए अतिरिक्त कदम उठाए जा रहे हैं। मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में पार्टियों के सम्मेलन की मेजबानी करते हुए भारत ने 26 मिलियन हेक्टेयर बंजर भूमि को फिर से उपजाऊ बनाने की भी प्रतिबद्धता व्यक्त की है। अंत में, मिशन लाइफ (पर्यावरण के लिए जीवन शैली) के माध्यम से, भारत ने सतत विकास के लिए सतत खपत को विचार-विमर्श के केंद्र में रखा है। इसने न केवल अपने नागरिकों, बल्कि अन्य देशों के लोगों के लिए भी के लिए एक चुनौती पेश की है, जो एक चक्रीय अर्थव्यवस्था के लिए व्यवहार को बढ़ावा देने, बाजारों को सक्षम करने एवं आकांक्षाओं को फिर से परिभाषित करते हुए; अर्थव्यवस्था को विकसित करने और जीवन के अवसरों और जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने से संबंधित है। भारत ने घोषणा की है कि ÷हरित विकास÷; 2047 तक एक विकसित देश बनने की उसकी यात्रा के सात स्तंभों में से एक होगा। पहले प्रदूषण फैलाने और बाद में सफाई करने का आसान रास्ता चुनने के प्रलोभन के बावजूद; कैसे रोजगार, विकास और स्थायित्व एक साथ चल सकते हैं, को प्रदर्शित करने के लिए, देश कठिन विकल्पों का चयन कर रहा है। लेकिन जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता के नुकसान और प्रदूषण - पृथ्वी के इस तिहरे संकट से अकेले मुकाबला नहीं किया जा सकता है। इसके लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग, नियमों का पालन, प्रतिबद्धताओं की पूर्ति, स्वच्छ प्रौद्योगिकियों का सह-विकास और कम लागत पर अधिक पूंजी तक पहुंच की सुविधा की आवश्यकता है। अंततः इस सतत विकास की गाथा का जादू, हमेशा लोगों और समुदायों को जिम्मेदारी व संचालन वापस देने में निहित रहेगा।

(लेखक ऊर्जा, पर्यावरण और जल परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं)

RNI Title Code - JHAHIN01027 स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक डॉ. सिकंदर कुमार द्वारा माँ भवानी आर्ट भागलपुर रोड नीयर सिनेमा हॉल दुधानी दुमका से मुद्रित एवं झारखंड देखो कार्यालय मजिस्ट्रैट कॉलोनी बंदरजोरी, दुमका से प्रकाशित प्रधान संपादक डॉ. सिकंदर कुमार (मो. नं. 9955599136)
(इस अंक में प्रकाशित समाचारों का चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी)

गुस्सा झट से हो जाएगा गायब,बस अपनाएं ये टिप्स

कहते हैं गुस्सा व्यक्ति को चंड़ाल बना देता है। बात-बात पर गुस्सा करने वाले इंसान से परिवार वाले और उसके आस-पास के लोग परेशान हो जाते हैं। कई बार तो इस तरह के व्यक्ति से लोग बात करने से भी कतराते हैं। किसी परेशानी,तनाव,बिजनेस या नौकरी का परेशानी और रिश्तों में बढ रही दूरियां को कारण भी गुस्सा आने लगता है। कई बात तो इससे कुछ लोग खुद भी परेशान हो जाते हैं। इसके लिए आप कुछ उपाय अपना कर इससे समस्या से राहत पा सकते हैं।

1. गुस्सा आने पर किसी से बात करने की बजाए कुछ देर के लिए अकेले बैठ जाएं। मांसपेशियों को रिलैक्स करें। इससे गुस्सा शांत हो जाएगा।

2. किसी बात से परेशान हैं तो गुस्सा होने की बजाए गहरी सांस भरे और आंखे बंद करके खुद को शांत करने की कोशिश करें।

3. गुस्से को दूर करने के लिए सबसे बेहतर तरीका है कि माहौल को खुशनुमा बनाएं। बढ़िया से परफ्यूम की महक लें। आप हैरान जाएंगे कि इससे गुस्सा खुशी में बदल जाएगा।

4. ठंड़ा पानी पीने से भी गुस्सा शांत हो जाता है। परेशानी को दूर करने के लिए उल्टी गिनती गिनना शुरू करें।

कैंसर का इलाज करें खीरा, और भी कई बीमारियां में फायदेमंद

खीरा, इसे लोग सालाद के रूप में बड़े शौक से खाते हैं। सालाद के अलावा भी इसे सैंडविच या फास्ट में भी बहुत इस्तेमाल किया जाता है। खीरा खाना सेहत के लिए काफी फायदेमंद साबित होता है। इससे शरीर में हमेशा ताजगी बनी रहती है। आइए जानते हैं इसके सेहत संबंधी फायदों के बारे में...

कब्ज : कब्ज होने पर खीरा खाने से पेट की परेशानी दूर होती है। इसे अपने खाने में जरूर शामिल करना चाहिए। रोजाना इसके सेवन से कब्ज से राहत पाई जा सकती है।

ब्लड प्रैशर : हाई ब्लडप्रैशर से राहत पाने के लिए खीरे का सेवन बहुत अच्छा होता है। इसमें पानी की मात्रा बहुत ज्यादा होती है और यह शरीर को ठंड़ा रखता है।

कैंसर : इसमें बहुत से ऐसे तत्व होते हैं जो कैंसर से रोकथाम करने में मददगार हैं और यह बहुत अच्छा एन्टीऑक्सिडेंट भी है। जिससे प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है।

वजन घटाएं : खीरे में कैलोरी बहुत कम और फाइबर ज्यादा होता है। मीड डे की भूख को शांत करने के लिए खीरा खाएं। जिससे पेट देर तक भरा रहता है और वजन कम हो जाता है।

किडनी : खाने में हर रोज इसका इस्तेमाल करने से पथरी की परेशानी से बचा जा सकता है। यह पित्ते और कीडनी की पथरी से बचाए रखती है। खीरे के रस को दिन में 2-3 बार पीना लाभकारी होता है।

कोलेस्ट्रोल : खीरे में कोलेस्ट्रोल बिल्कुल नही होता। दिल के मरीजों के लिए खीरा खाना बहुत अच्छा होता है। इसमें पाया जाने वाला स्ट्रेरोल तत्व कोलेस्ट्रोल को कम करने में मदद करता है।

पीरियड़ का दर्द दूर : जिन लड़कियों को मासिक धर्म के दौरान काफी परेशानी होती है वो दही में खीरे को कद्दूकस करके उसमें पुदीना,काला नमक, काली मिर्च, जीरा और हींग डालकर खाएं। इससे काफी आराम मिलेगा।

साइकिल चलाने के ये फायदे

क्या कभी किसी ने बताए हैं आपको...

अगर आप वजन घटाने की सारी कोशिशें करके हार चुके हैं तो कुछ दिन साइकिल चलाकर देखें. अगर आपको फिट बॉडी की ख्वाहिश है तो साइकिल चलाना शुरू करें. साइकिलिंग से बेहतर शायद ही कोई दूसरी एक्सरसाइज हो. अगर आपको फिट और एक्टिव बॉडी चाहिए तो आज से ही साइकिल चलाना शुरू कर दें.

जरूरी नहीं है कि आप साइकिल चलाने के लिए अलग से समय निकालें. आप चाहें तो अपने रोजाना के कामों को पूरा करने के लिए ही साइकिल चला सकते हैं. ये छोटी सी कोशिश आपको व्यायाम जितना फायदा पहुंचाएगी. आप चाहें तो सुबह दूध लाने के लिए साइकिल चलाकर दुकान तक जा सकते हैं. हर रोज कुछ मिनट साइकिल चलाकर ही आप फिट और आकर्षक बॉडी पा सकते हैं. इसके अलावा भी साइकिल चलाने के कई फायदे हैं।

1. सुरक्षित रखने में मददगार

अगर आप हर रोज कुछ देर के लिए भी साइकिल चला रहे हैं तो आप में दिल से जुड़ी बीमारियों के होने का खतरा कम हो जाता है. इससे धड़कन तेज होती है और ब्लड सर्कुलेशन ठीक होता है.

2. मांसपेशियों की मजबूती के लिए

साइकिल चलाने से पैरों की अच्छी एक्सरसाइज हो जाती है और इससे पैरों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं.

3. वजन घटाने का बेहतरीन उपाय

नियमित रूप से साइकिल चलाकर आप कुछ ही दिनों में वजन कम कर सकते हैं.

ये शरीर में मौजूद अतिरिक्त चर्बी को घटाने में मददगार है. रोजाना साइकिल चलाकर आप फिट और एक्टिव बॉडी पा सकते हैं.

4. इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाने में मददगार

रोजाना साइकिल चलाने से इम्यून सिस्टम मजबूत बनता है. जिससे रोगों से लड़ने की क्षमता भी बढ़ती है.

5. तनाव से राहत दिलाने में मददगार

नियमित रूप से साइकिल चलाने वालों को अवसाद की शिकायत होने की आशंका बहुत कम होती है.

मानसून में करें इन साबुनों का इस्तेमाल, त्वचा में आएगा निखार

बारिश के मौसम में वातावरण में मौजूद नमी आपकी त्वचा को प्रभावित कर सकती है, ऐसे में कुछ मामूली बदलाव और आयुर्वेदिक साबुन के इस्तेमाल से त्वचा की चमक व ताजगी बरकरार रखी जा सकती है. बायोटिक के सौंदर्य विशेषज्ञों और सोल फ्लॉवर के प्रबंध निदेशक शारदा ने मानसून के दौरान त्वचा की देखभाल से संबंधित कुछ सुझाव दिए हैं.

1. आयुर्वेदिक और हर्बल साबुन त्वचा के पीएच बैलेंस को प्रभावित किए बिना सौम्यता से शरीर की अशुद्धियों को दूर करते हैं. इस मौसम में बैक्टीरिया और गंदगी से त्वचा को बचाना जरूरी है. ये साबुन त्वचा में नमी बरकरार रखते हैं और इसे रिजूविनेट करते हैं.

2. आयुर्वेदिक साबुन जैसे बायो ऑलमंड ऑयल शरीर को पोषित करते हैं, जो प्राकृतिक पोषक तत्वों से समृद्ध होते हैं. वे बादाम, मारगोसा, नारियल तेल, हल्दी आदि से युक्त होते हैं, जो त्वचा को मुलायम बनाते हैं.

3. गुलाब के सत्वों से बना साबुन त्वचा में प्राकृतिक नमी बरकरार रखते हुए चमक और निखार लाता है. गुलाब का तेल और पंखुड़ियां त्वचा के दाग-धब्बों को दूर करते हैं.

4. मानसून में लैवेंडर साबुन का इस्तेमाल भी किया जा सकता है. इसके जीवाणुरोधी गुण त्वचा में हो रही जलन और खुजली को दूर करते हैं, इसकी खुशबू ताजगी और सुकून का अहसास कराती है.

5. चारकोल साबुन तैलीय और मिश्रित त्वचा के लिए मानसून में अच्छा विकल्प है. साबुन में मौजूद एक्टिवेटेड बैंबू चारकोल गंदगी, टॉक्सिन और अशुद्धियों को दूर कर त्वचा के रोम छिद्रों को खोल देते हैं. ये मुंहासे, दाग-धब्बे भी दूर करते हैं.

6. पपीता और खीरा युक्त साबुन सभी प्रकार की त्वचा के लिए उपयुक्त होते हैं. यह त्वचा की मृत कोशिकाओं को हटा कर रोम छिद्र खोल देता है और मुंहासों को नियंत्रित कर दाग-धब्बे कम करता है. इसके इस्तेमाल से त्वचा कोमल हो जाती है. यह त्वचा में नमी बरकरार रखता है.

इन चीजों से करेंगे साफ तो चमक जाएंगे सफेद जूते

सफेद जूते पर्सनेलिटी को भी चार चांद लगा देते हैं। आजकल वैसे भी इस रंग के जूतों का काफी ट्रैंड है लेकिन कुछ लोग सिर्फ इस वजह से सफेद जूते पहनना पसंद नहीं करते क्योंकि ये बहुत जल्दी गंदे हो जाते हैं। ज्यादातर स्कूल के बच्चे और एक्सरसाइज करते समय लोग सफेद स्पोर्ट शूज पहनते हैं लेकिन बारिश के दिनों में कीचड़ और मिट्टी की वजह से ये गंदे हो जाते हैं। इन्हें साफ करने के लिए कई लोग जूतों को वॉशिंग मशीन में डाल देते हैं लेकिन इससे जूते खराब हो जाते हैं और अच्छे से साफ भी नहीं होते। ऐसे में कुछ आसान तरीके अपनाकर इन्हें मिनटों में साफ किया जा सकता है।

1. एक चम्मच बाइकार्बोनेट सोडा, आधा चम्मच पानी और आधा चम्मच हाईड्रोजन पेरोक्साइड को एक बाउल में डालकर पेस्ट बना लें।

2. अब जूतों के तस्मों को निकाल लें और टूथब्रश की मदद से इस पेस्ट को जूतों पर लगाएं। अब इन तस्मों को बाउल में डाल दें ताकि बचा हुआ पेस्ट उन पर लग जाए।

3. पेस्ट लगे जूतों और तस्मों को 4-5 घंटों के लिए धूप में सूखने के लिए रख दें।

4. जब जूतों का पेस्ट सूख जाए तो इन्हें डिट्रजैंट से धोएं और धूप में सूखने के लिए रख दें। इससे जूते एक दम चमक उठेंगे।

मानसून में ऐसे रखेंगे फर्नीचर का ध्यान तो नहीं होगा खराब

तेज तपती गर्मी के बाद मानसून का इंतजार तो हर किसी को बेसब्री से लगा रहता है। लेकिन जहां यह मौसम चेहरे पर मुस्कान लाता है, वहीं अपने साथ कई तरह की प्रॉबल्म भी लेकर आता है जैसे दीवारों की सीलन, कपड़ों में बदबू। इसके अलावा एक और चिंता है जो हर किसी को सताती है वो लकड़ी के फर्नीचर की क्योंकि इस मौसम में लकड़ी के फर्नीचर में सीलन और उसमें कीड़े लगने शुरू हो जाते है। इतना ही नहीं लकड़ी फूलने लगती है ऐसे में घर का फर्नीचर खराब हो जाता है। फर्नीचर को बचाने के लिए लोगों को समझ नहीं आता कि क्या किया जाए। अगर आपको भी अपने फर्नीचर की चिंता सता रही है तो घबराए नहीं। हम आपको कुछ टिप्स बताएंगे, जिससे आप लकड़ी के फर्नीचर को बचाएं रख सकती है।

1. फर्नीचर को सेफ जगह पर रखें : अपने घर में पड़े लकड़ी के फर्नीचर को किसी ऐसी जगह पर रखें जगां, बारिश की बूंदे उनक तक न पहुंच पाएं। इससे वह गीले होने से बचे रहेंगे।

2. समय-समय पर ऑयलिंग दें : अगर आपके घर के खिड़की दरवाजे भी लकड़ी के है तो उन्हें समय-समय पर ऑयलिंग करें। ऐसा करने से उमें कोई कीड़ा नहीं लगने पाएं।

3. नीम के पत्तों का इस्तेमाल करें : घर में नमी को कंट्रोल करने के लिए सूखे नीम के पत्तों का इस्तेमाल करें। इसके अलावा आप ह्यूमीडिफायर का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

4. फर्नीचर को दीवारों से दूर रखें : अधिकतर देखने को मिलता है कि लोग अपने फर्नीचर को दीवारों से जोड़कर रखते है लेकिन बारिस के मौसम में इनकी खास केयर करनी पड़ती है। इसलिए बेहतर होगा की मानसून में लकड़ी को फर्नीचर को दीवारों से दूर लगाकर रखें। इससे वह डैम लगने से बचे रहेगे।

5. पॉलिश या पेंट करवाएं : बारसात के दिनों में अपने फर्नीचर को पॉलिश या पेंट करवाएं। इससे वह नमी से बचे रहें और खराब भी नहीं होंगे।

कुछ इस तरह बनाएं अपनी सुबह खिली-खिली...

दी ब्वाडी क्लाक गाइड टू बेटर हेल्थ के मुताबिक 10 में से महज 1 ही व्यक्ति सही मायनों में मायनो में मार्निंग पर्सन कहलाता है। लेकिन अच्छी बात यह है कि 10 में महज दो ही लोगों की स्थिति सुबह उठते हुए गंभीर होती है बाकी सब सामान्य रहते हैं। लेकिन अगर आप चाहती हैं कि आपकी सुबह खिली-खिली हो, आप मार्निंग पर्सन कहलाएं तो इसके लिए आपको कुछ नियमों का पालन करना पड़ेगा। अपना ध्यान देना होगा और सोने के घंटों में इजाफा कना होगा।

अच्छी नींद लें

डेलीबर्नडाटकाम वेबसाइट के मुताबिक आपको चाहिए कि नियमित अच्छी नींद लें। अगर इसके लिए आपको अपने शिड्यूल में कुछ बदलाव करने होंगे तो उससे भी परहेज न करें। आप चाहें तो अपने काम को देर रात तक करने की बजाय देर शाम तक ही खत्म कर लें। अगर तब भी काम अधूरा रह जाए तो काम को वहीं अधूरा छोड़ सो जाएं और सुबह जल्दी उठने का नियम बनाएं। रात को ली गई नींद आपके स्वास्थ्य के लिए ज्यादा जरूरी है। जब नींद पूरी होती है तो सुबह त?के उठने से आपको परहेज भी नहीं होगा।

पर्याप्त समय लें

आप एक रात में किला फतह नहीं कर सकते। इसलिए यह न सोचें कि आप अपने शिड्यूल को बैलेंस नहीं कर पा रही हैं। इसके लिए बेहतर है कि आप पर्याप्त समय लें। धीरे-धीरे कर अपनी जीवनशैली में बदलाव करें। इतना ही नहीं संभव हो तो किसी विशेषज्ञ की राय भी ले सकती हैं। एक बात और ध्यान में रखें कि खुद को काम के बोझ के तले ने दबाए रखें।

रूटीन बनाएं और फालो करें

अकसर देखने में आता है कि लोग रूटीन तो बना लेते हैं लेकिन उसे फालो नहीं करते। आपको बता दें कि यह तो ढाक के तीन पात वाली बात हो गई। बेहतरी यही है कि रूटीन बनाएं, इसके लिए आप किसी की मदद भी ले सकती हैं। साथ ही उसे फालो भी करें। आपको बता दें कि रूटीन बनाने के लिए मदद ली जा सकती है। लेकिन रूटीन फालो आपको खुद को ही करना होगा।

दिन में लें छोटी से झपकी

अगर आप देर रात तक पर्याप्त नींद नहीं ले पाई हैं तो उसकी भरपाई के तहत दिन में ही छोटी सी झपकी ले सकती हैं। इससे आपको न सिर्फ रिलैक्स फील होगा बल्कि आपको शरीर को अच्छा भी महसूस होगा। आपको खुद को थकान की गर्त में नहीं महसूस करेंगी। लेकिन हमेशा कोशिश करें कि रात की नींद पूरी लें।

स्मार्टली खाएं

विशेषज्ञों की मानें तो अगर आप सोने जा रही हैं तो इस समय दोनों ही तरह की स्थिति को नजरंदाज करें मसलन न तो बहुत ज्यादा खाएं और न ही भूखी रहें। ये दोनों ही स्थिति आपको मार्निंग पर्सन बनने नहीं दे सकती है। इसके उलट आपकी लाइफस्टाइल खराब कर सकती है, आपके हेल्थ पर नेगेटिव इफेक्ट छोड़ सकती है। एक बात और ध्यान रखें कि सोने से पहले वाशरूम जरूरी जाएं। शराब या काफी पीकर बेड पर जाने से बचें। यह आपके हेल्थ के लिए सही नहीं है।

सभी बत्तियां बंद करें

रात को सोने से पहले कमरे की सभी बत्तियां बंद कर दें। दरअसल ऐसा न करने से अच्छी और गहरी नींद लेने में समस्या होती है। इतना ही नहीं बत्तियां बंद करने से आपके अंदर की यानी ब्वाडी क्लाक को अलर्ट होने में मदद मिलती है। उसे दिन का और रात का सही-सही पता चलता है। लेकिन यदि आप कमरे की बत्तियां बंद नहीं करती हैं तो ब्वाडी क्लाक हर समय असमंजस में रहती है और वह आपको सही समय पर उठा नहीं पाती।

सोने के पहले तैयारी

सोने के पहले ध्यान रखें कि खुद को इलेक्ट्रानिक फ्री करके सोएं। इन दिनों देखने में आ रहा है कि बच्चे से लेकर बूढ़े तक सभी अपने सिरहाने पर मोबाइल, टैब या कोई अन्य गैजेट रखकर सोते हैं। इससे नींद बाधित होती है। बेहतर है कि सोने से पहले खुद को गैजेट और इलेक्ट्रानिक फ्री कर लें और चैन की नींद लें। इससे आपकी सुबह न सिर्फ अच्छी होगी बल्कि खिली-खिली भी हो जाएगी।

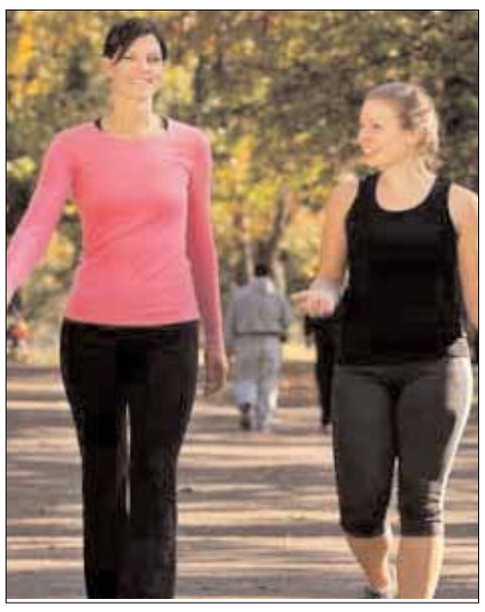

रेसिपी

रोस्टेड काजू मसाला

सामग्री

2 काजू, 12-15 साबुत कालीमिर्च, 2 बड़ा चम्मच जीरा, 1 बड़ा चम्मत साबुत धनिया, 1 छोटा चम्मच सौंफ, 1-2 लौंग, 3-4 सूखी लाल मिर्च, तलने के लिए तेल, 1 छोटा चम्मच चाट मसाला पाउडर, स्वादानुसार काला नमक, 1 छोटा चम्मच चीनी

विधि

मध्यम आंच पर एक पैन में सभी खड़े मसाले डालकर सुनहरा होने तक भून लें। गरम मसालों को प्लेट में निकालकर ठंडा होने दें। अब एक कड़ाही में तेल डालकर गर्म होने के लिए तेज आंच पर रखें। जब तक तेल गर्म हो रहा है। भूने साबुत मसालों को मिक्सर में पीसकर पाउडर बना लें। तेल में काजू को डालकर हल्का सुनहरा होने तक तल लें। काजू को किचन पेपर में निकाल लें ताकि अतिरिक्त तेल निकल जाए। काजू को एक बार में डालें फिर इसमें तैयार किया गर्म मसाला, चाट मसाला, काला नमक और चीनी डालकर अच्छी तरह मिक्स कर लें। आप चाहें तो बोइल को 9कवर करके अच्छी तरह हिला लें। तैयार मसालेदार काजू को सर्व करें या फिर एयरटाइट कंटेनर में डालकर हफ्ते 10 दिन तक रख सकते हैं।

मीठे समोसा

सामग्री

आधा किलो मैदा, 3 बड़ा चम्मच बटर / मक्खन, 300 ग्राम घी, भरावन के लिए: आधा छोटा चम्मच तिल, 2 बड़ा चम्मच खोया, 8-10 किशमिश, आधा कप चीनी, 1 कप नारियल, कद्दूकस, 2 बड़ा चम्मच खसखस, आधा छोटा चम्मच वेनीला एसेंस

विधि

एक कटोरे में मैदा, बटर और पानी ले कर मुलायम आटा गूंद लें। इसके बाद आटे को आधे घंटे के लिए ऐसे ही रख दें। तय समय के बाद इसे फिर से अच्छी तरह मसलें। जब यह मुलायम हो जाए तो इसकी छोटी-छोटी लोई लेकर पूड़ियां बेल लें। अब एक कटोरे में खोया, चीनी, तिल, घिसी नारियल, खसखस और कुछ बूंद वेनीला एसेंस की डालकर अच्छी तरह मिक्स कर लें। तैयार मिश्रण से एक चम्मच मसाला पूरियों में रखें और इसे समोसे जैसा आकार दें। समोसे के कोनों को चिपकाने के लिए आप चाहें तो अंडे का इस्तेमाल करें या फिर कांटे वाले चम्मच से दबाकर पैक कर सकते हैं।इसके बाद जब समोसों में भरावन पूरी तरह से भर जाए तब इन पर बटर लगा दें। मीडियम आंच में एक कड़ाही में घी डालकर गर्म करें। जब घी गर्म हो जाए तो समोसों को इसमें डीप फ्राई कर लें। आप चाहें तो इन समोसों को चाशनी में भी डिबो सकते हैं। इसके लिए 1 कप पानी में एक कप चानी डालकर चाशनी तैयार कर लें और फिर इन समोसों को इसमें डालकर कुछ देर तक रखें और निकालकर सर्व करें।